सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

नमक जैसा बनाइये अपना व्यक्तित्व
आपकी उपस्थिति का भले ही पता न चले पर...
अनुपस्थिति का अहसास अवश्य होना चाहिये..।
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–34 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 22 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

सेल प्रबंधन ने किया नए श्रम कानूनों को लागू करने की तैयारी शुरु

सेबी को पत्र लिखकर कंपनी ने दी जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारत सरकार द्वारा नए श्रम कानुन का अध्यादेश जारी करने के बाद देश के सभी निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के नियोक्ताओं द्वारा अपने अपने संस्थानों में श्रम कानून को लागु करने की तैयारी शुरु कर दिया गया है । श्रम एवं रोजगार मंत्रालय उपरोक्त कानूनो को 01 अप्रैल 2026 से पुरे देश में लागु करने जा रहा है । जिसके तहत सेल प्रबंधन द्वारा अपने सभी यूनिटों में भी लागु करने की प्रारंभिक तैयारी शुरु कर दिया गया है । सेबी को लिखे पत्र में सेल प्रबंधन ने सूचित किया है कि केंद्र सरकार तथा विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा लागु किए गए विशेष उपबंधो का अध्ययन करने के बाद लागु किया जायेगा । उपरोक्त कानूनो के लागु होने के उपरांत पड़ने वाले वित्तिय प्रभावो का आकलन सेल प्रबंधन द्वारा बाद में किया जायेगा । नए श्रम कानूनों के लागु होने के बाद विभिन्न पक्षो पर पड़ने वाला प्रभाव इस प्रकार हैं।

ठेका श्रमिक पर

सभी ठेका श्रमिकों को नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य किया गया है । सभी ठेका श्रमिको को अनिवार्य रुप से वेतन पर्ची देना है । सभी ठेका श्रमिकों को दैनिक उपस्थिति के हिसाब से वेतन भुगतान अनिवार्य करना है । ठेका श्रमिको से जुड़े मुद्दे के समाधान के लिए अलग से कार्यसमिति का गठन करना अनिवार्य होगा।

सेल के नियमित कर्मचारियों पर प्रभाव

एनजेसीएस की जगह कार्यसमिति का गठन किया जायेगा । कार्यसमिति में यूनियनो के प्रतिनिधि का चयन सेक्रेट बैलेट इलेक्शन के माध्यम से किया जायेगा । यूनियनो को सदस्यों के अनुपात में कार्यसमिति में सीट आवंटित किया जायेगा । कार्यसमिति की मीटिंग प्रत्येक तीन माह में आयोजित करना होगा । एक कार्यसमिति का कायर्काल तीन वर्ष का होगा । सेल कमियों तथा ठेका श्रमिकों की वतर्मान समस्या। एनजेसीएस की नियमित मीटिंग आयोजित नहीं होना तथा वषों से एक भी मुद्दे का हल नहीं होना ।

जनवरी 2024 के बाद आज तक फुल एनजेसीएस की मीटिंग आयोजित नही हुई है । मीटिंग सेल प्रबंधन की इच्छा पर आयोजित की जा रही है। वर्षों से सेल कमियों के मुद्दे अटके रह जाना। एनजेसीएस में यूनियन प्रतिनिधियों में अधिकतर सेल से बाहरी, गैर निर्वाचित होना । एनजेसीएस के संविधान का उल्लंघन कर सेल प्रबंधन द्वारा वेज रीविजन, बोनस, एरियर फॉर्मुला लागु करना जिससे प्रत्येक कमर्चारियों को लाखो रुपया आर्थिक हानी होना ।

एनजेसीएस में सेल प्रबंधन व गैर निर्वाचित यूनियन नेताओं की मनमानी व शोषण रुकेगा

प्रस्तावित श्रम संहिता में कई लुप होल था, जिस पर मैने तथा हमारी यूनियन बीपेकेएस ने आपत्ति दर्ज करा दिया है । नई श्रम संहिता के तहत कार्यसमिति का गठन, नियुक्ति पत्र, पेमेंट स्लीप आदि नियम स्वागत योग्य है । इससे एनजेसीएस में सेल प्रबंधन तथा गैर निर्वाचित यूनियन नेताओं की मनमानी तथा शोषण रुकेगा ।

रणधीर कुमार,
कार्यकारी अध्यक्ष, बीएकेएस

विधायक ने खेल मैदान के लिए दिया एक करोड़

खेल मैदान बेचने की कोशिश हुई, विधायक के हस्तक्षेप से निविदा निरस्त-राजेंद्र अरोरा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर निगम की नजूल जमीनों की बिक्री को लेकर एक बार फिर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। नगर पालिक निगम भिलाई के पूर्व सभापति ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में शासकीय नजूल भूमि को नाजायज तरीके से बेचकर बड़े पैमाने पर अवैध धन संग्रह किया गया। उन्होंने दावा किया कि शहर के महत्वपूर्ण स्थानों की जमीनें कथित रूप से कौड़ियों के दाम पर बेची गईं और बच्चों के खेल मैदान व सर्कस मैदान तक को नहीं छोड़ा गया।

पूर्व सभापति के अनुसार, संजय नगर तालाब के बाजू स्थित खेल मैदान की निविदा भी इसी प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ाई जा रही थी। मामला विधायक रीकेश सेन के संज्ञान में आने के बाद निविदा को तत्काल निरस्त कराया गया। साथ ही खेल मैदान के संवर्धन और विकास के लिए 1 करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई।

उन्होंने कहा कि यह कदम एक जागरूक जनप्रतिनिधि की पहचान है, जिसने बच्चों के भविष्य और शहर की धरोहर को बचाने का कार्य किया। पूर्व सभापति ने यह भी स्पष्ट किया कि कुछ लोगों द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा था कि खेल मैदान को बेचने का निर्णय विधायक द्वारा लिया जा रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि निविदा की रणनीति महापौर परिषद से पारित प्रस्ताव के आधार पर बनाई गई थी।

उन्होंने कहा कि नगर निगम की धरोहर रूपी जमीनों को बचाने के लिए जनप्रतिनिधियों को एकजुट होना चाहिए और भविष्य में इस प्रकार की किसी भी प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक किया जाना चाहिए। मामले को लेकर अब शहर की राजनीति गरमा गई है और आने वाले दिनों में यह मुद्दा और तूल पकड़ सकता है।

राज्यसभा चुनाव 2026: 37 सीटों पर सियासी महासंग्राम, छग में रणनीति की असली परीक्षा

आलोक तिवारी / नईदिल्ली-रायपुर

मार्च 2026 में होने जा रहे राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनावों ने राष्ट्रीय राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। चुनाव आयोग ने 18 फरवरी 2026 को 10 राज्यों की 37 सीटों के लिए कार्यक्रम घोषित किया। अप्रैल 2026 में इन सीटों का कायर्काल समाप्त हो रहा है और सभी प्रमुख दलों ने रणनीतिक बैठकों का दौर तेज कर दिया है।

असली सियासी परीक्षा

छत्तीसगढ़ की दो सीटों पर 16 मार्च 2026 को मतदान होना है। वतर्मान में ये दोनों सीटें कांग्रेस के पास हैं, लेकिन विधानसभा में भाजपा के 54 और कांग्रेस के 35 विधायक होने के कारण इस बार समीकरण बदले हुए हैं। कार्यकाल समाप्त हो रहा हैः के.टी.एस. तुलसी -2 अप्रैल 2026, फूलो देवी नेताम - 2 अप्रैल 2026 संख्या के आधार पर एक सीट भाजपा और एक सीट कांग्रेस को मिलना लगभग तय माना जा रहा है, लेकिन भाजपा दोनों सीटों पर दावा कर सियासी संदेश देना चाहती है।

पिछली गलती से सबक?

पिछले राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ से बाहर के नेता को राज्यसभा भेजा था। इस निर्णय से प्रदेश संगठन और स्थानीय नेताओं में व्यापक नाराजगी देखी गई थी। पार्टी की किरकिरी भी हुई थी और कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर पड़ा था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उस असंतोष की झलक बाद के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भी देखने को मिली।

यही कारण है कि इस बार कांग्रेस केंद्रीय नेतृत्व किसी भी तरह की ह्लबाहरी उम्मीदवारह्व वाली रणनीति दोहराने से बचना चाहेगा। प्रदेश नेतृत्व के दबाव और जमीनी संदेश को देखते हुए स्थानीय, प्रभावशाली और सामाजिक संतुलन साधने वाले चेहरे को प्राथमिकता दिए जाने की संभावना अधिक मानी जा रही है।

भूपेश बघेल, दीपक बैज, टी.एस. सिंहदेव और मोहन मरकाम जैसे नामों पर चर्चा चल रही है। विशेष रूप से आदिवासी बहुल बस्तर और सरगुजा संभाग से प्रतिनिधित्व की मांग भी पार्टी के भीतर जोर पकड़ रही है। मार्च 16 का मतदान राज्यसभा की दो सीटों का फैसला जरूर करेगा, लेकिन इसके दूरगामी प्रभाव प्रदेश की आगामी राजनीति पर भी पड़ेंगे।

विधानसभा में भाजपा के 54 और कांग्रेस के 35 विधायक हैं। संख्या बल के आधार पर एक सीट भाजपा के खाते में जाना लगभग तय माना जा रहा है। परंतु पार्टी के भीतर जिस तरह के नामों पर चर्चा चल रही है, उससे संकेत मिल रहा है कि भाजपा इस अवसर को रणनीतिक रूप से उपयोग करना चाहती है।

भाजपा के दावेदार

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय का नाम सबसे प्रमुखता से उभर रहा है। संगठन और विधायी प्रक्रियाओं की गहरी समझ रखने वाले पाण्डेय को भाजपा का 'थिंक टैंक' माना जाता है। उनकी संसदीय जानकारी और राजनीतिक संतुलन साधने की क्षमता को लेकर पार्टी में व्यापक सम्मान है। देश में हालिया शैक्षणिक और संस्थागत मुद्दों, विशेषकर यूजीसी से जुड़े विवादों के बाद भाजपा ऐसे चेहरे की तलाश में है जो बौद्धिक और वैचारिक स्तर पर पार्टी की प्रभावी पैरवी कर सके। इस दृष्टि से प्रेम प्रकाश पाण्डेय को राज्यसभा के लिए एक सशक्त और संतुलित विकल्प माना जा रहा है।

नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व?

पूर्व मुख्यमंत्री और वतर्मान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह अपने पुत्र अभिषेक सिंह को राज्यसभा भेजने की रणनीति पर काम कर रहे हैं, ऐसी चर्चाएं राजनीतिक गलियारों में तेज हैं। अभिषेक सिंह पूर्व सांसद रह चुके हैं और युवा चेहरे के रूप में उन्हें आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर मंथन जारी है। यदि पार्टी युवा और अनुभवी नेतृत्व के संतुलन की दिशा में कदम बढ़ाती है, तो यह नाम निर्णायक बन सकता है।

अनुभवी महिला चेहरा

पूर्व राज्यसभा सदस्य सरोज पांडे भी संभावित दावेदारों की सूची में शामिल हैं। संगठन में मजबूत पकड़ और महिला प्रतिनिधित्व के संतुलन के लिहाज से भाजपा उनके नाम पर दोबारा दांव लगा सकती है। यदि पार्टी महिला नेतृत्व को प्राथमिकता देने का संकेत देना चाहती है, तो सरोज पांडे का नाम फिर से उभर सकता है।

जूदेव परिवार का फैक्टर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की इच्छा बताई जा रही है कि जूदेव परिवार से किसी सदस्य को राज्यसभा भेजा जाए। जूदेव परिवार का आदिवासी क्षेत्रों, विशेषकर सरगुजा-बस्तर अंचल में गहरा प्रभाव रहा है। यदि भाजपा सामाजिक संतुलन और क्षेत्रीय संदेश को प्राथमिकता देती है, तो यह निर्णय राजनीतिक दृष्टि से बड़ा संकेत होगा।

बस्तर से चौंकाने वाला नाम?

भाजपा सूत्रों के अनुसार, बस्तर अंचल से किसी नए और चौंकाने वाले नाम को भी राज्यसभा के लिए आगे किया जा सकता है। आदिवासी प्रतिनिधित्व और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए पार्टी अंतिम समय में रणनीतिक फैसला ले सकती है। पार्टी स्थानीय और प्रभावशाली चेहरे पर दांव लगाने के दबाव में है, ताकि संगठनात्मक नाराजगी दोबारा न उभरे।

दूसरी ओर, कांग्रेस के सामने संगठनात्मक संतुलन और विश्वसनीयता बनाए रखने की चुनौती है।

16 मार्च का मतदान केवल प्रतिनिधि तय नहीं करेगा, बल्कि यह संकेत भी देगा कि छत्तीसगढ़ की राजनीति में आगामी वर्षों में किसकी रणनीति ज्यादा प्रभावी रहने वाली है।

चुनाव कार्यक्रम

अधिसूचना जारी: 26 फरवरी 2026
नामांकन की अंतिम तिथि: 5 मार्च 2026
नामांकन जांच: 6 मार्च 2026
नाम वापसी: 9 मार्च 2026
मतदान (यदि आवश्यक): 16 मार्च 2026
मतगणना: 16 मार्च 2026

चुनाव आयोग ने मतपत्र पर वरीयता अंकित करने के लिए अधिकृत बैंगनी (Violet) रंग के पेन के उपयोग को अनिवार्य किया है।

किन राज्यों में कितनी सीटें

महाराष्ट्र –7, तमिलनाडु – 6, बिहार – 6, पश्चिम बंगाल – 5, ओडिशा – 4, असम – 3, छत्तीसगढ़ – 2, हरियाणा – 2, तेलंगाना – 2 और हिमाचल प्रदेश – 1 शामिल हैं।

आक्रोश | AVM रियल एस्टेट पर निवेशकों का फूटा गुस्सा

'5 साल में पैसा डबल' का सपना टूटा

23 फरवरी को टेडेसरा हाईवे पर चक्का जाम की चेतावनी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-राजनांदगांव

'पांच साल में रकम दोगुनी' करने के सुनहरे वादे के साथ ग्रामीणों से करोड़ों की निवेश राशि लेने के बाद भुगतान न करने का आरोप लगाते हुए एवीएम रियल एस्टेट के खिलाफ निवेशकों का गुस्सा अब सड़कों पर उतरने की तैयारी में है। दुर्ग और राजनांदगांव क्षेत्र के ग्रामीण निवेशकों ने जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को ज्ञापन सौंपकर राशि वापसी, निष्पक्ष जांच और 23 फरवरी 2026 को टेडेसरा हाईवे पर शांतिपूर्ण चक्का जाम की अनुमति मांगी है।

निवेशकों का आरोप है कि वर्ष 2010 में कंपनी से जुड़े प्रतिनिधियों ने पांच वर्ष में राशि दोगुनी करने का भरोसा देकर ग्रामीणों से बड़ी रकम निवेश कराई थी। परिपक्वता अवधि 2015-16 में पूरी हो गई, लेकिन आज तक अधिकांश निवेशकों को उनकी जमा पूंजी वापस नहीं मिली।

जीवनभर की कमाई दांव पर

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कृषि आय, जीवनभर की बचत और पारिवारिक जरूरतों के लिए संचित धन इस भरोसे पर निवेश किया था कि तय समय पर रकम लौटेगी। कई परिवारों की बेटियों के विवाह, मकान निर्माण और अन्य जरूरी योजनाएं इसी धन पर निर्भर थीं। भुगतान न होने से आर्थिक और मानसिक संकट गहराता जा रहा है।

कुछ निवेशकों का आरोप है कि शिकायत करने पर समझौते का आश्वासन दिया गया, लेकिन शर्तों के अनुरूप पूर्ण भुगतान नहीं हुआ। ग्रामीणों के बीच यह भी चर्चा है कि संबंधित अवधि में कंपनी से जुड़ी संपत्तियों की खरीद-फरोख्त हुई, जिससे फंड फ्लो और संपत्ति हस्तांतरण को लेकर संदेह पैदा हुआ है।

प्रशासन से तीन बड़ी मांग

निवेशकों ने प्रशासन से मांग की है कि– पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराई जाए दोषी पाए जाने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए निवेशकों की जमा राशि शीघ्र वापस दिलाई जाए।

आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि यदि जल्द ठोस कारर्वाई नहीं हुई तो वे 23 फरवरी 2026, सोमवार को राजनांदगांव के टेडेसरा हाईवे पर शांतिपूर्ण चक्का जाम और धरना प्रदर्शन करेंगे। इसके लिए प्रशासन से औपचारिक अनुमति भी मांगी गई है। निवेशकों ने आश्वस्त किया है कि उनका आंदोलन पूर्णतः शांतिपूर्ण और विधि-सम्मत रहेगा।

अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस बढ़ते जनाक्रोश को कैसे संभालता है। यदि जांच और राशि वापसी में देरी हुई, तो मामला व्यापक जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

जमीन के नीचे जल संचयन करना आसान नहीं–अशोक चौधरी

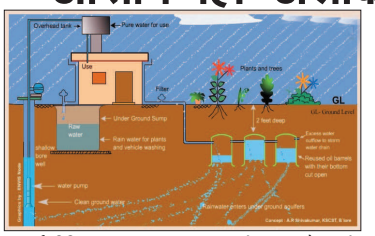

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनंदगांव राज्य सिंचाई एवं जल समिति के पूर्व सदस्य अशोक चौधरी ने कहा कि जल संचयन के लिए छत्तीसगढ़ शासन प्रतिबद्ध है, और उन्होंने वृहद कार्यक्रम भी बनाया है, लेकिन मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि राजनांदगांव सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में जमीन के नीचे जल संचयन करना आसान नहीं है।

इसका कारण है कि हमारे यहां जमीन के नीचे लाल भुरभुरी पत्थर है उसमें जैसे ही पानी पड़ता है उसके जितने दरार होते हैं वह सब बंद हो जाते हैं ,इसलिए पानी जमीन के अंदर नहीं जा पता है। जहां पर ठोस पत्थर है वहां के क्रैक से पानी जमीन के नीचे जाता है इसका प्रमाण राजनंदगांव के सर्किट हाउस के पास रानी सागर तालाब जो पिछले डेढ़ सौ वर्षों से भी अधिक समय से है और हमेशा लबालब भरा रहता है लेकिन सर्किट हाउस में 8 बोर किए गए हैं किसी बोर में भी पानी नहीं निकल पाया है।

इसी तरह शिवनाथ नदी के किनारे भी बोरिंग सफल नहीं है जब सैकड़ों वर्ष के जमा पानी से ग्राउंडवाटर रिचार्ज नहीं हो पाया तो हमारे केवल बरसाती पानी किस तरह जमीन के अंदर जा पाएगा इसके लिए हमें अलग से कोई स्कीम बनाया जाना चाहिए । जिन जिलों में लाल भुरभुरी पत्थर नहीं है उसके बदले में लाइमस्टोन या सेंड स्टोन है उसमें जो दरारें होती है उस जमीन के अंदर पानी है जा सकता है हमारे राजनांदगांव से 10 किलोमीटर दूर पर भानपुरी गांव में लाइमस्टोन है 17 किलोमीटर की दूरी पर अर्जुनी गांव है वहां पर भी लाइमस्टोन और सेंडस्टोन है वहां पर बोरिंग सक्सेस है अतः महाराष्ट्र गुजरात बिहार में जिस आसानी से ग्राउंडवाटर रिचार्ज हो जाता है वैसा छत्तीसगढ़ में संभव नहीं है हमें पूरी तरह सर्वे करके ठोस पत्थर वाले इलाके खोजने होंगे और वहां पर ग्राउंडवाटर रिचार्ज का पुख्ता प्लान बनाना होगा अन्यथा शासन का पैसा प्रयास और मेहनत व्यर्थ होने का खतरा है।

न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर के चुनाव 2026-28 की घोषणा, 1 मार्च को होगा मतदान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर के द्विवार्षिक चुनाव (2026-28) का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। चुनाव समिति ने सदस्यता नवीनीकरण से लेकर मतदान एवं मतगणना तक की पूरी समय-सारिणी जारी की है। सभी सदस्यों से निर्धारित तिथियों में प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की गई है।

सदस्यता नवीनीकरण : 20 से 22 फरवरी तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 8:30 बजे तक सदस्यता नवीनीकरण किया जाएगा। नवीनीकरण शुल्क 60 रुपये निर्धारित है। सदस्यता नवीनीकरण 22 फरवरी की रात्रि 8:30 बजे तक ही मान्य होगा।

नामांकन प्रक्रिया : विभिन्न पदों एवं कायर्कारिणी के लिए आवेदन पत्र 23 एवं 24 फरवरी को वितरित किए जाएंगे। नामांकन पत्र 25 फरवरी की रात्रि 8:30 बजे तक जमा किए जा सकेंगे। निर्धारित समय के बाद प्राप्त आवेदन स्वतः निरस्त माने जाएंगे। प्रत्येक पद के लिए नामांकन पत्र के साथ निर्धारित शुल्क उसी समय जमा करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक नामांकन में दो प्रस्तावक एवं दो समर्थक आवश्यक होंगे।

नाम वापसी व प्रत्याशियों की घोषणा : नाम वापसी की अंतिम तिथि 27 फरवरी 2026 की रात्रि 8:30 बजे तक निर्धारित की गई है। स्क्रूटनी के उपरांत वैध प्रत्याशियों की सूची 27 फरवरी की रात्रि 8:30 बजे के बाद घोषित की जाएगी।

मतदान और मतगणना : मतदान 1 मार्च को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रेस क्लब भवन, नेहरू रोड, सुपेला में होगा। मतगणना उसी दिन भोजनावकाश के बाद अपराह्न 3 बजे से प्रारंभ की जाएगी।

नामांकन शुल्क : अध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष-5000 रुपये, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, कार्यालय सचिव एवं अन्य पद - 2000 रुपये, कायर्कारिणी सदस्य - 1000 रुपये नाम वापसी या चुनाव परिणाम के पश्चात नामांकन शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।

रिक्त पद अध्यक्ष (1), वरिष्ठ उपाध्यक्ष (1), उपाध्यक्ष (2), महासचिव (1), सचिव (2), कोषाध्यक्ष (1), सहसचिव (1), कार्यालय सचिव (1) एवं कायर्कारिणी सदस्य (6) पदों के लिए चुनाव होंगे। चुनाव समिति ने स्पष्ट किया है कि चुनाव संबंधी प्रक्रिया में समिति का निर्णय अंतिम एवं सवर्मान्य होगा। समिति में अशोक पंडा, अरविंद सिंह, रमेश गुप्ता, संतोष मिश्रा, संतोष तिवारी एवं मिथलेश ठाकुर शामिल हैं। समिति ने सभी सम्मानित सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा की है, ताकि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा का कलेक्टर ने किया आकस्मिक निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज जिले में संचालित हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा अंतर्गत केन्द्र क्रमांक 141010 सेजस रिसाली और केन्द्र क्रमांक 141015 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मरोदा टंकी का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केन्द्राध्यक्षों से परीक्षा भवन में पानी, बिजली एवं परीक्षाथिर्यों की उपस्थिति की जानकारी ली।

हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा अंतर्गत दसवीं की हिन्दी विषय का पेपर था। सेजस रिसाली में 49 और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मरोदा टंकी में 159 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। कलेक्टर सिंह ने केन्द्राध्यक्षों से कहा कि परीक्षा हॉल में विद्याथिर्यों को पानी बॉटल ले जाने की अनुमति देवें, जिसमें किसी भी प्रकार के स्टीकर लगा न हो। इसी प्रकार परीक्षा के दौरान समस्त परीक्षा केन्द्रों में इमरजेंसी लाईट की व्यवस्था रखें जिससे किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न होने पावें। निरीक्षण के दौरान सहायक संचालक शिक्षा सीमा नायक, परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष एवं अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

दुर्ग नागरिक सहकारी बैंक चुनाव : रुंगटा पैनल का दबदबा, 8 प्रत्याशी विजयी

दुर्ग। नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित दुर्ग के संचालक मंडल के 12 में से 9 डायरेक्टर पदों के लिए 14 फरवरी को हुए चुनाव में रुंगटा पैनल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं परिवर्तन पैनल को एक सीट से संतोष करना पड़ा। परिणाम घोषित होते ही विजयी प्रत्याशियों और समथर्कों ने गाजे-बाजे के साथ जश्न मनाया।

घोषित परिणाम के अनुसार सामान्य वर्ग से मनोज ताम्रकार (56 वोट), ज्ञानेश्वर ताम्रकार (55 वोट), कमल नारायण रुंगटा (51 वोट), संजय सिंह (49 वोट), पवन कुमार जैन (बड़जात्या) (49 वोट) और राजेश यादव (45 वोट) विजयी रहे। महिला वर्ग के आरक्षित पद पर सुनीता अग्रवाल (51 वोट) और नीलू देवांगन (50 वोट) ने जीत हासिल की। पिछड़ा वर्ग के आरक्षित पद पर तेजबहादुर बंछोर (50 वोट) विजयी घोषित किए गए। अन्य प्रत्याशियों में वेंकट साई शास्त्री राव (43), अखिलेश मिश्रा (43), अंबर ताम्रकार (41), मंगल प्रसाद गुप्ता (37), दिनेश कुमार मारोटी (30), पदम ताम्रकार (41) और संध्या तिवारी (41) को पराजय का सामना करना पड़ा।

सनदी लेखाकार (चार्टर्ड अकाउंटेंट) के लिए आरक्षित दो पदों पर श्रीपाल कोठारी और अरविंद चंद सुराना तथा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित एक पद पर श्रीमती वसुंधरा चौरे पहले ही निविरोध निर्वाचित घोषित किए जा चुके हैं। मतदान प्रक्रिया श्री गुर्जर क्षत्रिय गुजराती समाज भवन, मोतीपारा में संपन्न हुई। कुल 96 प्रत्यायुक्त सदस्यों में से 91 ने मतदान में हिस्सा लिया। सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक मतदान हुआ। पूरी प्रक्रिया मुख्य निर्वाचन अधिकारी देवाशीष दास की देखरेख में संपन्न हुई।

किसी भी काम को मन व एकाग्रता से करना ही साधना कहलाता है : गजेंद्र

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रज्ञानालय क्रिया योग आश्रम पद्मनाभपुर दुर्ग के द्वारा क्रियायोगियो के लिए पांच दिवसीय विशेष साधना शिविर का आयोजिन 20 से 25 फरवरी तक चोपड़ा पेलेस आदर्श नगर में आहूत है। जिसका शुभारंभ आज 21 फरवरी को सुबह क्रियायोग के विश्वगुरु परमहंस प्रज्ञानंद जी महाराज व प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव द्वारा एक भव्य गरिमामयी कार्यक्रम में दिप प्रज्वलित कर किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव दिव्य अतिथि के रूप में गुरुदेव परमहंस प्रज्ञानांद जी महाराज व विशेष अतिथि के रूप में पार्षद लीलाधर पाल , संजय अग्रवाल , सविता पोषण साहू व आश्रम की संचालिका धरानंद गिरि उपस्थित थी। साथ ही बड़ी संख्या में क्रियायोगी भी शामिल थे।

इस दौरान कियायोगियो को सम्बोधित करते हुए मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि किसी भी काम को मन व एकाग्रता से करना ही साधना कहलाता है। क्रियायोग में सभी चक्रों का चक्र सोधन आवश्यक है। महावतार बाबा के सम्बंध में बताते हुए उन्होंने कहा कि महावतार बाबाजी महाराज अजर और अमर हैं। कभी वे निराकार होते हैं, तो कभी अपने शिष्यों के समक्ष किसी भी रूप में प्रकट होकर मानवता को सांसारिक बंधनों से मुक्त करते हैं। महामुनि, त्र्यंबक बाबा, शिव बाबा और बदुआ बाबा जैसे विभिन्न नामों से पूजित, बाबाजी महाराज का वर्णन किसी भी ऐतिहासिक या शास्त्रीय निश्चितता के साथ नहीं किया जा सकता। उनके कार्य दिव्य हैं, एक ऐसे रहस्य में लिपटे हुए हैं जिसका सटीक विवरण छिपा है। समय उनके जन्म, व्यक्तित्व और जीवन के बारे में तथ्यों को उजागर करने में विफल रहा है। वे आदि, महाकाल और अमर हैं, समय और स्थान की सीमाओं के बंधन में नहीं रहते। वे सभी संतों और ऋषियों में सर्वोच्च और अद्वितीय हैं। वे भ्रमित, शोकाकुल, भयभीत, हताश और संशयग्रस्त लोगों को नवजीवन का अनुभव प्रदान करने के लिए एक परम करुणामय, सुंदर, ज्योतिर्मय रूप धारण करते हैं और उन्हें ईश्वर-साक्षात्कार का मार्ग दिखाते हैं।

वहीं क्रियायोगीयो को सम्बोधित करते हुए गुरूदेव परमहंस प्रज्ञानद जी महाराज ने कहा कि क्रिया योग ध्यान तकनीकें, श्वास नियंत्रणव और शांति सिखाता है, प्रत्यक्ष और तात्कालिक आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है, मन को शुद्ध और विकसित करने में मदद करता है, और इच्छा और अहंकार के बंधन को मिटाता है, शरीर को शक्ति और स्फूर्ति प्रदान करता है, गैर-सांप्रदायिक है और सिखाता है कि सभी क्रियाएँ पूजा हो सकती हैं, केवल एक अधिकृत और सशक्त गुरु के सीधे संपर्क से ही सिखाया जाता है, यह आत्म-साक्षात्कार प्राप्त गुरुओं की एक अटूट श्रृंखला के माध्यम से हमारे पास आया।

उन्होंने कहा कि क्रियायोग एवं अन्य पारंपरिक यौगिक अभ्यासों में उसी तरह अंतर है, जिस तरह एक आधुनिक सुशिक्षित चिकित्सक के औषधि निर्धारण एवं एक ग्रामीण नीम हकीम के औषधि निर्धारण में है। अनेक पारंपरिक योग प्रविधियों में कठोर तपस्या एवं कष्टदायक प्रक्रियाओं से होकर गुजरना पड़ता है, जिसका क्रियायोग तकनीक में सवर्था अभाव है। क्रियायोग की वैज्ञानिक तकनीक मेरे प्राधिकृत आचार्यों के द्वारा सिखाई जाती है। यह आध्यात्मिक अभ्यास जो लाहिड़ी महाशय द्वारा सिखाया जाता था, गृहस्थों के लिए अत्यन्त उपयुक्त है। क्रियायोग तकनीक में सिखाई जाने वाली सरल एवं आसान श्वास नियंत्रण तकनीक, खोई हुई संतुलित अवस्था को पुनः सीमित करती है एवं मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। किन्तु इसके अभ्यास हेतु आत्मोपलब्धि प्राप्त गुरु का मार्गदर्शन आवश्यक है।

इस प्रक्रिया में श्वास के द्वारा लिया गया शुद्ध प्राणवायु (ऑक्सीजन) शरीर के आंतरिक अवयवों को शुद्ध करता है, अंगों को क्रियाशील करता है एवं भूख में वृद्धि करता है। यह शरीर को शक्ति एवं यौवन तथा मन को स्मृति, धैर्य और प्रतिभा प्रदान करता है। यह शरीर मन बुद्धि एवं जीवन को एक साथ शुद्ध करता है। इस प्रक्रिया के लिए खान-पान संबंधी किसी प्रकार के परहेज की आवश्यकता नहीं होती। इस दौरान प्रमुख क्रियायोगियो में दिलीप देशमुख, ओम प्रकाश वर्मा, गजनन्द गौतम, बी बी कुशवाहा, कामत निर्मल, दयाराम सिन्हा, अजय नारायम, अवधेश विष्वकर्मा, प्रह्लाद त्रिवेदी, घनश्याम भरतद्वाज, अविनाश, आशीष, महेश आदि शामिल थे।

अधिकारी प्रशिक्षण को गंभीरता से लेवें : कलेक्टर अभिजीत सिंह

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जनगणना 2027 हेतु दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरंभ कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी अभिजीत सिंह के उद्बोधन द्वारा किया गया।

उन्होंने जनगणना को एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रक्रिया बताते हुए सभी चार्ज अधिकारियों को गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करने निर्देशित किया। प्रशिक्षण में जनगणना के संयुक्त संचालक अशोक मिश्रा द्वारा जनगणना पदाधिकारियों की भूमिका और कानूनी प्रावधान, कोष प्रबंधन, सीएमएमएस पोर्टल के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला जनगणना अधिकारी, प्रमुख जनगणना अधिकारी (नगर पालिका निगम) , अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, ग्रामीण/नगर चार्ज अधिकारी, जोन जनगणना अधिकारी एवं अन्य अधिकारी कमर्चारी उपस्थित रहे।

अधूरे सड़क को पक्का कराने की मांग, ग्रामवासी पहुंचे जनदर्शन

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा एवं उत्तम ध्रुव ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 136 आवेदन प्राप्त हुए। इसी कड़ी में स्टेडियम परिसर के दुकानदारों ने स्थायी व्यवस्थापन के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि बी.सी.सी.आई. द्वारा स्टेडियम निर्माण की चर्चाओं के बीच दुकानदारों में बेदखली को लेकर चिंता बढ़ गई है। परिसर में डीजल इंजन, टूल मशीनरी, वाहन मरम्मत, टाइपिंग-प्रिंटिंग, फोटोकॉपी, ऑनलाइन सेवा व खेल सामग्री की दुकानें संचालित हो रही हैं। अचानक बेदखली से उनके परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने व्यवसाय के अनुरूप वैकल्पिक स्थायी स्थान उपलब्ध कराने आवेदन दिया। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम ढौर के ग्रामवासियों ने अधूरे सड़क निर्माण को पूरा कराने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत कासीन-ढौर क्षेत्र में पांच वर्ष पहले बनाई गई सड़क का निर्माण अधूरा छोड़ दिए जाने के कारण ग्रामवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह सड़क बासीन गांव के स्कूली बच्चों और आम नागरिकों के लिए दो किलोमीटर का सीधा मार्ग है, लेकिन बरसात के दिनों में सड़क पर पानी भर जाने से आवागमन बाधित हो जाता है।

समाज की प्रगति के लिए संगठित रहना आवश्यक - मंत्री देवांगन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर और श्रम विभाग मंत्री लखन लाल देवांगन आज देवांगन जनकल्याण समिति द्वारा आयोजित माँ परमेश्वरी महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने देवांगन समाज की ईष्ट देवी माँ परमेश्वरी की प्रतिमा की विधिवत पूजा-अचर्ना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

महोत्सव को संबोधित करते हुए मंत्री लखन लाल देवांगन ने समाज की एकता और संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति के लिए संगठित रहना अत्यंत आवश्यक है। जब समाज संगठित रहेगा, तभी वह शिक्षा, व्यापार, शासकीय सेवा और राजनीति सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकेगा। उन्होंने कहा कि आज कई समाज विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति कर चुके हैं, लेकिन कुछ समाज अभी भी पीछे हैं। ऐसे में सभी समाजों को मिल-जुलकर कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि हर व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों की अच्छी शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाती है।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री का भी यही उद्देश्य है कि समाज का हर वर्ग आगे बढ़े। उन्होंने प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र को दोहराते हुए समाज के सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने देवांगन समाज को सुलझा हुआ और जागरूक समाज बताते हुए कहा कि यह समाज लंबे समय से व्यापार, कृषि और वस्त्र निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देता आया है। उन्होंने कहा कि जांजगीर-चांपा क्षेत्र में कोसा व्यापार में भी देवांगन समाज की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि कोई भी समाज तभी आगे बढ़ता है जब वह संगठित और मजबूत होकर चलता है, और इसके लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कई बार बेटा-बेटी आगे नहीं बढ़ पाते। समाज को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत हो और बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि समाज को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला समाज बनना चाहिए। इस दौरान खादी ग्रामोद्योग अध्यक्ष राकेश पाण्डेय ने महिलाओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण से ही समाज और प्रदेश का समग्र विकास संभव है।

कार्यक्रम | महिलाओं को आत्मरक्षा, आपदा प्रबंधन, सामाजिक सुरक्षा और नशा मुक्ति अभियान के प्रति प्रशिक्षित व जागरूक करना

सशक्त नारी, सशक्त छत्तीसगढ़: महिला कमांडो का भव्य प्रेरणा सम्मेलन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता को नई दिशा देने के उद्देश्य से थाना अंडा परिसर में 20 फरवरी को महिला कमांडो का भव्य सिविल डिफेंस प्रशिक्षण एवं प्रेरणा सम्मेलन आयोजित किया गया। यह आयोजन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के दिशा-निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मणीशंकर चंद्रा के नेतृत्व तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अनुप लकड़ा (पाटन) एवं डॉ. चित्रा वर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

सम्मेलन में दुर्ग जिले सहित लगभग 40 गांवों की महिला कमांडो ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। थाना अंडा, थाना पुलगांव, चौकी अंजोरा, नगपुरा, जेवरासिरसा, थाना बोरी तथा चौकी लिटिया-सेमरिया क्षेत्र की करीब 500 महिला कमांडो की प्रभावशाली उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं अब सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मरक्षा, आपदा प्रबंधन, सामाजिक सुरक्षा और नशा मुक्ति अभियान के प्रति प्रशिक्षित एवं जागरूक करना था। पद्मश्री शमशाद बेगम (सामाजिक कार्यकर्ता एवं महिला कमांडो की संस्थापिका) ने महिला कमांडो की स्थापना के उद्देश्य, संगठन की कार्यप्रणाली और समाज में उनकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिला कमांडो केवल सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की मजबूत कड़ी हैं।

महिला कमांडो के सचिव रसीद खान ने संगठन की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने गांवों में नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं संगठित होकर कार्य करती हैं, तो समाज में सकारात्मक बदलाव निश्चित रूप से आता है।

प्रशिक्षण सत्र में जिला सेनानी श्री नागेंद्र सिंह एवं एसडीआरएफ की टीम ने प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, भूकंप और आगजनी के दौरान बचाव कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। टीम द्वारा प्राथमिक उपचार, आपदा के समय त्वरित निर्णय और राहत कार्यों की व्यावहारिक तकनीकों का प्रदर्शन भी किया गया। इससे उपस्थित महिलाओं में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का आत्मविश्वास बढ़ा।

सम्मेलन में महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ नशा मुक्ति अभियान पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि नशा समाज की जड़ को कमजोर करता है और इसे समाप्त करने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि महिलाएं ठान लें तो गांव-गांव में नशा मुक्त वातावरण बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी महिला कमांडो ने सामूहिक रूप से सशक्त नारी-सशक्त छत्तीसगढ़ तथा नशा मुक्त समाज - सुरक्षित समाज का संकल्प लिया। पूरे आयोजन ने यह साबित किया कि दुर्ग जिले की महिलाएं अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन की अग्रदूत बन चुकी हैं। यह सम्मेलन महिला सशक्तिकरण और सुरक्षित समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

मंत्री नेताम ने कृषक प्रशिक्षण हॉल और छात्रावास का किया लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने आज रूआबांधा स्थित कार्यालय क्षेत्रीय कृषि प्रसार एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत नवनिर्मित कृषक प्रशिक्षण हॉल एवं कृषक छात्रावास का लोकार्पण किया।

मंत्री नेताम ने कहा कि प्रशिक्षण हॉल एवं छात्रावास दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले किसानों के लिए सुविधाजनक होगा, जिससे वे आवासीय प्रशिक्षण लेकर नई तकनीकों को अपनाएंगे। साथ ही किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, संभागायुक्त एसएन राठौर, बीज एवं कृषि विकास निगम अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर तथा तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, कृषि संचालनालय से संयुक्त संचालक आरएल धुरंधर, संयुक्त संचालक कृषि दुर्ग श्रीमती गोपिका गबेल व क्षेत्रीय संचालक श्रीमती ऋति तिवारी सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को मिलीं जन-जन की शुभकामनाएं

प्रोजेक्ट धड़कन, जिंदगी मुस्कुराएगी, दिव्य धुन बैंड और कलाकेंद्र के बच्चों संग मुख्यमंत्री ने बांटी खुशियां

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रोजेक्ट धड़कन, जिंदगी मुस्कुराएगी, दिव्य धुन बैंड और कलाकेंद्र के बच्चों संग मुख्यमंत्री ने बांटी खुशियांप्रोजेक्ट धड़कन, जिंदगी मुस्कुराएगी, दिव्य धुन बैंड और कलाकेंद्र के बच्चों संग मुख्यमंत्री ने बांटी खुशियांप्रोजेक्ट धड़कन, जिंदगी मुस्कुराएगी, दिव्य धुन बैंड और कलाकेंद्र के बच्चों संग मुख्यमंत्री ने बांटी खुशियांप्रोजेक्ट धड़कन, जिंदगी मुस्कुराएगी, दिव्य धुन बैंड और कलाकेंद्र के बच्चों संग मुख्यमंत्री ने बांटी खुशिया मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्मदिन पर राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास देर रात तक उल्लास और स्नेह के वातावरण से भरा रहा। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, उद्योगपतियों,समाजसेवियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री को जन्मदिवस के अवसर पर फलों से तौला गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी आगंतुकों से आत्मीयता से मुलाकात की और स्नेह, सम्मान और शुभकामनाओं के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आप सभी के प्रेम और सहयोग से मैं अभिभूत हूँ। छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना है। आपका निरंतर समर्थन और आशीर्वाद इसी तरह बना रहे, यही मेरी कामना है।

प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने दी बधाई

मुख्यमंत्री निवास में मंत्रीगण,विधायकों और जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को बधाई दी। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह,खाद्य मंत्री दयालदास बघेल,वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, वन मंत्री केदार कश्यप,महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही विधायकगण धरमलाल कौशिक, अजय चंद्राकर, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, गुरु खुशवंत साहेब, दीपेश साहू और ललित चन्द्राकर सहित विभिन्न आयोग एवं मंडल के अध्यक्षों, सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री से भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी।

प्रदेशभर से उमड़ा शुभकामनाओं का सैलाब

मुख्यमंत्री श्री साय को प्रदेश के उद्योगपतियों,व्यापारी संगठनों, खेल जगत के प्रतिनिधियों,समाजिक संगठन, दिव्यांग संगठन,अल्पसंख्यक समाज, समाजसेवियों, शिक्षाविदों और मीडिया जगत के वरिष्ठ जनों ने भी शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सभी का आभार व्यक्त करते हुए प्रदेश के सर्वांगीण विकास और समृद्धि के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर और विकसित प्रदेश बनाने के लिए सरकार प्रत्येक वर्ग के हित में कार्य कर रही है, और यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

जिला प्रशासन रायपुर एवं स्वास्थ्य विभाग की पहल प्रोजेक्ट धड़कन के तहत हृदय रोग की सर्जरी के बाद बच्चे पारुल, नमन शर्मा और हिमांशु ध्रुव और प्रोजेक्ट जिंदगी मुस्कुराएगी के तहत नाक की सर्जरी के बाद नन्ही प्रेमिन साहू ने भी अपने प्रिय मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें जन्मदिवस की बधाई दी। मुख्यमंत्री बड़ी ही आत्मीयता से इन बच्चों से मिले और उन्हें दुलारते हुए नन्हे नमन शर्मा को अपनी गोद में उठा लिया। मुख्यमंत्री ने छोटी सी उम्र में गंभीर बीमारियों का मुकाबला कर रहे बहादुर बच्चों का खूब हौसला बढ़ाया और बच्चों को गिफ्ट में प्रेरक किताबें भेंट की।

प्रोजेक्ट दिव्य धुन और कला केंद्र के बच्चों ने बांधा समां

मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर प्रोजेक्ट दिव्य धुन के तहत शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधित विद्यालय मठपुरैना के बच्चों के बच्चों ने गीतों की मधुर प्रस्तुति दी। बच्चों ने बार बार दिन ये आए, अंगना म भारत माता के चिरैया सहित जसजीत, करमा और देवार गीत से समां बांध दिया। मुख्यमंत्री श्री साय बहुत प्रेम से बच्चों से मिले और उनकी कला को सराहा। उन्होंने बच्चों को ट्रैक सूट, लोवर टीशर्ट और प्रोत्साहन राशि भेंट की। कला केंद्र रायपुर के बच्चे भी अपने चहेते मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे। कक्षा आठवीं के विद्यार्थी नन्हे आदित्य शर्मा ने अपने द्वारा बनाया मुख्यमंत्री का स्केच उन्हें भेंट किया। वायलिन वादक बच्चे आरीव झा और अमायरा अग्रवाल, तबला वादक योगेश सिंह सहित सभी बच्चों को मुख्यमंत्री ने खूब दुलारा और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जन्मदिन की बधाई देने सामाजिक संगठनों और नागरिकों का लगा तांता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को उनके जन्मदिवस पर बधाई देने बड़ी संख्या में सामाजिक संगठन और नागरिकगण पहुंचे। महिला अधिवक्ताओं ने पगड़ी पहनाकर मुख्यमंत्री का सम्मान किया। सिख समाज ने मुख्यमंत्री को पवित्र कृपाण भेंटकर उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। शादाणी दरबार रायपुर द्वारा मुख्यमंत्री को पवित्र सरोपा भेंट किया गया। छत्तीसगढ़ रामनामी राम राम भजन संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को रामनामी मुकुट और शॉल भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री को प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्विद्यालय की बहनों तथा रायपुर प्रेस क्लब, राज्य प्रशासनिक सेवा संघ और छत्तीसगढ़ किसान मोर्चा के सदस्यों ने भी जन्मदिन की बधाई की। हमर चिन्हारी साहित्य समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को उनका एक पोट्रेट भेंट किया।

माँ का आशीर्वाद और अपार जनस्नेह : बगिया में मना मुख्यमंत्री का जन्मदिन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का 62वाँ जन्मदिवस उनके गृहग्राम बगिया में अत्यंत उत्साह, आत्मीयता और पारिवारिक स्नेह के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने गृहग्राम बगिया स्थित अपने घर पहुंचते ही सबसे पहले अपनी माता श्रीमती जसमनी देवी के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री श्री साय के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों का दिनभर तांता लगा रहा।जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सभी के स्नेह, शुभकामनाओं और आत्मीय स्वागत के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनस्नेह ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने अपने जन्मदिवस को विशेष और यादगार बनाने के लिए सभी का कन्यादार ज्ञापित किया। इस विशेष अवसर पर बगिया स्थित श्रीराम सदन में सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उनकी माताजी श्रीमती जसमनी देवी, धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने पूरे श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ व्रत कथा का श्रवण किया तथा ईश्वर से प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आगमन से पूर्व ही उनके गृहग्राम बगिया स्थित गृहनिवास में उनसे मिलने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी।जनप्रतिनिधियो, अधिकारियों एवं आम नागरिकों ने मुख्यमंत्री से भेंट करने और उन्हें शुभकामनाएं देने को लेकर विशेष उत्साह और उत्सुकता देखने को मिली। इस अवसर पर विधायक श्रीमती गोमती साय एवं श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, जिला पंचायत सदस्य कृष्ण कुमार राय सहित जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के सदस्यगण, पंचायत प्रतिनिधि, नगरीय निकायों के प्रतिनिधिगण, जनप्रतिनिधि, कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह तथा अन्य अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने मुख्यमंत्री से भेंट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। क्रिकेट की दुनिया में जिले का नाम रोशन करने वाली शासकीय प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास, इवकेला की प्रतिभाशाली छात्राओं को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रोत्साहित करते हुए 15 क्रिकेट किट प्रदान किया। छात्रावास की इन छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर भी जिले को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप इसी लगन, अनुशासन और मेहनत के साथ निरंतर आगे बढ़ती रहें तथा अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से राज्य और देश का नाम रोशन करें। पारंपरिक परिधान में आए पहाड़ी कोरवा समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री को दी जन्मदिवस की बधाई

बगीचा से आए विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय पहाड़ी कोरवा समाज के प्रतिनिधियो ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य भेंट कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पहाड़ी कोरवा समाज के सदस्य अपने पारम्परिक वेशभूषा एवं तीर-धनुष के साथ उपस्थित हुए, जिससे उनकी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की झलक दिखाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने उनसे आत्मीय संवाद करते हुए उनके क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। इस पर पहाड़ी कोरवा समाज के प्रतिनिधियो ने बताया कि वर्तमान में उनके क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्य संचालित हो रहे हैं तथा प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से उनके गांवों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि इस योजना से उनके जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है और उनके क्षेत्रों की तस्वीर बदल रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनकी बातों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है

बच्चों के चेहरों की मुस्कान बना मुख्यमंत्री साय के जन्मदिन का सबसे बड़ा उपहार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने 62वें जन्मदिवस को जशपुर के बगिया स्थित बालक आश्रम के बच्चों के बीच जिस आत्मीयता और स्नेह के साथ मनाया, उसने इस दिन को बच्चों के जीवन की एक अविस्मरणीय स्मृति बना दिया। जैसे ही मुख्यमंत्री आश्रम परिसर पहुँचे, बच्चों के चेहरों पर खुशी की चमक दौड़ गई। वे दौड़कर उनके पास आए और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण एक पारिवारिक मिलन जैसा हो गया। उस पल मुख्यमंत्री किसी पद पर आसीन व्यक्ति नहीं, बल्कि बच्चों के अपने स्नेही अभिभावक की तरह उनके बीच दिखाई दे रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों के साथ केक काटा और उनके साथ बैठकर बातें कीं। उन्होंने बच्चों के नाम पूछे, पढ़ाई के बारे में जाना, उनके सपनों को सुना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। जब मुख्यमंत्री बच्चों से बात कर रहे थे, तब उनके चेहरे पर झलकता स्नेह और अपनत्व बच्चों के मन में गहरा विश्वास जगा रहा था। बच्चे भी पूरी सहजता से उनसे बातें करते हुए खुशी से चहकते रहे। आश्रम परिसर में उस समय जो दृश्य था, वह एक परिवार के बीच मनाए जा रहे उत्सव जैसा महसूस हो रहा था।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों को अपने हाथों से केक और चॉकलेट खिलाया। उन्होंने बच्चों के सिर पर हाथ फेरते हुए आशीर्वाद दिया और कहा कि वे मन लगाकर पढ़ाई करें, बड़े सपने देखें और जीवन में आगे बढ़कर अपने परिवार तथा प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि आप सब बच्चों की मुस्कान मेरे जन्मदिन का सबसे बड़ा उपहार है।

उनके इन स्नेहपूर्ण शब्दों ने बच्चों के मन को छू लिया। बच्चों की आँखों में चमक और चेहरे पर मुस्कान इस बात की गवाही दे रही थी कि यह पल उनके लिए कितना खास बन गया है।

मुख्यमंत्री के रूप में स्नेही अभिभावक को अपने बीच पाकर बच्चों ने जिस खुशी और अपनत्व का अनुभव किया, वह लंबे समय तक उनकी स्मृतियों में रहेगा। उल्लेखनीय है कि बालक आश्रम बगिया में कक्षा पहली से पाँचवीं तक के छात्र अध्ययनरत हैं, जिनमें अधिकांश बच्चे आदिवासी समुदाय से हैं। मुख्यमंत्री का उनके बीच पहुँचकर जन्मदिन मनाना बच्चों के लिए गर्व और प्रेरणा का विशेष क्षण बन गया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती गोमती साय, कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण तथा आश्रम के शिक्षक एवं स्टाफ उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने 62वें जन्मदिवस के अवसर पर जशपुर जिले के दोकड़ा स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर पहुँचकर भगवान श्री जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय तथा परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मंदिर परिसर में परिक्रमा कर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और कल्याण की मंगलकामना की। उन्होंने प्रदेश में शांति, खुशहाली और निरंतर प्रगति के लिए विशेष प्रार्थना करते हुए कहा कि जनकल्याण ही शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रदेश के विकास के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर विधायक श्रीमती गोमती साय, कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जन्मदिन पर सेवा का संदेश : मुख्यमंत्री साय ने जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने 62वें जन्मदिन के अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना की तथा रक्तदाताओं को सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री के 62वें जन्मदिन के अवसर पर अल्फा ग्लोब फाउंडेशन, रायपुर तथा शिवनाथ ब्लड सेंटर द्वारा 62 लोगों के रक्तदान की विशेष व्यवस्था की गई थी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि रक्तदान महादान है और यह मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं, प्रसव एवं गंभीर बीमारियों के दौरान जब मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है, ऐसे में रक्तदान मरीजों के जीवन में नई आशा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि शिविर में रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए हैं, जिससे आवश्यकता पड़ने पर वे या उनके परिजन निःशुल्क रक्त प्राप्त कर सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि संस्था द्वारा एक वर्ष में लगभग 11 हजार यूनिट रक्त संग्रह का संकल्प लिया गया है तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न ब्लड बैंकों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। इस अवसर पर सुरक्षित यातायात जागरूकता अभियान का भी आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं से वर्ष में कम से कम एक बार रक्तदान करने तथा सड़क यातायात नियमों का हर समय पालन करते हुए जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने सभी रक्तदाताओं, आयोजकों, चिकित्सक दल एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शिविर की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, सीजीएमएससी के चेयरमैन दीपक, छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल के अध्यक्ष नीलू शर्मा सहित, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसवराजु एस सहित वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण तथा अल्फा ग्लोब फाउंडेशन, रायपुर की संचालक डॉ. पूनम अग्रवाल, संस्थान के अन्य प्रतिनिधि और रक्तदाता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय के जन्मदिवस पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने मरीजों को बांटे फल

छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्मदिवस के अवसर पर आज पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर स्थित मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर मुख्यमंत्री के स्वस्थ, दीर्घ और यशस्वी जीवन की कामना की। इस अवसर पर प्रदेश की सुख-समृद्धि, विकास और जनकल्याण के लिए विशेष प्रार्थनाएं की गईं।

मंत्री श्री अग्रवाल ने पूजा-अर्चना के उपरांत लखनपुर स्थित स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर भर्ती मरीजों से मुलाकात की। उन्होंने मरीजों का कुशलक्षेम जाना, उनका हालचाल पूछा तथा उन्हें फल वितरित कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों एवं स्टाफ से भी चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जीवन सादगी, सेवा और समर्पण का प्रतीक है। उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास और सुशासन की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। हम सभी उनके जन्मदिवस पर ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु प्रदान करें, ताकि वे प्रदेश की जनता की सेवा इसी समर्पण भाव से करते रहें।

उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश में पर्यटन, संस्कृति, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने भी सहभागिता निभाई तथा प्रदेश की निरंतर उन्नति और समृद्धि की कामना की।

संपादकीय

फिर भूपेन ने वही किया जो हिमंता ने किया था

असम में कांग्रेस के इतिहास में फिर वही होने वाला है जो एक बार हो गया है ।फिर भूपेन वही करने वाले हैं जो हिमंता शरमा कर चुके हैं। यानी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने का फैसला। इससे साफ हो जाता है कि असम कांग्रेस के नेता व दिल्ली कांग्रेस के नेता एक बार हुई गलती से कोई सबक नहीं लेते हैं,वह वही गलती फिर से करते हैं जिस गलती के कारण कांग्रेस को असम में ऐसा नुकसान हुआ है जिसकी भरपाई कांग्रेस आज तक नहीं कर पाई है। इसके लिए असम कांग्रेस के कई नेता जितने जिम्मेदार है, उतने ही जिम्मेदार राहुल गांधी और उनके आसपास रहने वाले नेता भी हैं ।अपनी पार्टी का एक वरिष्ठ व जनाधार वाला नेता क्या चाहता है, सम्मान चाहता है। वह चाहता है कि उसे जो अधिकार दिया गया है, उस हिसाब से उसको फैसला करने दिया जाए। वह पार्टी को आगाह करे कि इससे पार्टी को नुकसान हो सकता है तो उसकी बात को गंभीरता से लिया जाए।

ऐसा भी नहीं है कि हिमंता की तरह भूपेन बोरा ने आलाकमान को बताया न हो कि असम में पार्टी हित में क्या किया जाना चाहिए। पहली बार दिल्ली में हिमंता को लगा कि उनका अपमान किया गया है तो उन्होंने अपमान के कारण ही कांग्रेस छोड़ने का और भाजपा में शामिल होने का फैसला किया। अब भूपेन वोरा को भी वही एहसास हो रहा है कि कांग्रेस में उनका सम्मान नहीं किया जा रहा है। राहुल गांधी से बात होने के बाद भी भूपेन बोरा ने यदि कांग्रेस छोड़ने का फैसला किया है तो इसका मतलब साफ है कि राहुल गांधी भी उन्हें आश्वस्त नही कर सके कि उनके साथ असम में जो कुछ अब तक हुआ है, वह आगे नहीं होगा। इसकी बड़ी वजह यह है कि राहुल गांधी को जमीनी बातों का पता नही रहता है, वह राज्य में किसी एक नेता की बात सुनते हैं और मानते हैं, वह जो कहे वही सही मानते हैं। असम में गोगोई परिवार ऐसा परिवार है जिसे गांधी परिवार अपना नजदीकी मानता है, वह मानता है कि वह जो असम के बारे में जो फैसला करेगा सही फैसला करेगा।

माना जाता है कि तरुण गोगोई के कारण ही हिमंता जैसे नेता को कांग्रेस छोड़ना पड़ा था क्योंकि उनको लगा कि गोगोई के रहते कांग्रेस का भला नहीं हो सकता और उनका भी भला नही हो सकता। अब माना जा रहा है कि गोगोई से कई मामलो में मतभेद के चलते भूपेन बोरा को भी यही एहसास हुआ कि गोगोई के रहते असम में कांग्रेस का भला नहीं हो सकता और उनका भी भला नहीं हो सकता इसलिए भूपेन ने हिमंता के जरिए भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है ।हिमंता जानते हैं असम की राजनीति में उनके लिए भूपेन बोरा कितने उपयोगी हैं। वह जानते है कि भूपेन बोरा के भाजपा में शामिल होने से भाजपा तो जमीनी स्तर पर मजबूत होगी और कांग्रेस जमीनी स्तर कमजोर होगी। इसका परिणाम क्या होना है वही होना है जो हिमंता के भाजपा में शामिल होने से हुआ था,कांग्रेस की हार और हर चुनाव मे हार। क्योंकि भूपेन के भाजपा मे शामिल होने का मतलब है कि और भी अच्छे कांग्रेस नेताओं के लिए द्वार खुल जाएंगे यानी चुनाव के पहले और भी कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हो सकते है।

कौन नहीं जानता है कि असम में कांग्रेस की तुलना में भाजपा कमजोर राजनीतिक पार्टी थी। वह वहां चुनाव जीतकर सरकार बना नहीं सकती थी। कांग्रेस के एक नेता के भाजपा में जाने से कांग्रेस असम में इतनी कमजोर हो गई कि वह एक नहीं दो चुनाव लगातार हार गई है और माना जा रहा है कि इस चुनाव के पहले भूपेन बोरा कांग्रेस छोड़ने से कांग्रेस असम में और कमजोर होने वाली है और तीसरी बार चुनाव हारने वाली हैं। राहुल गांधी की तुलना में हिमंता सरमा ज्यादा अच्छे से जानते हैं कि कांग्रेस को कैसे कमजोर कर असम में चुनाव जीता जा सकता है। वह यही कर रहे है और राहुल गांधी अपने वफादार नेता परिवार की परवाह जमीन से जुड़े नेताओं की तुलना ज्यादा करके चुनाव हार रहे हैं। देश में भी हार रहे हैं और राज्यों में भी हार रहे हैं।

असम की राजनीति में भूपेन बोरा का क्या महत्व है, यह हिमंता सरमा जानते हैं क्योंकि वह भी बरसों कांग्रेस में रहे हैं। यह वजह है कि भूपेश बोरा के इस्तीफा देने के बाद खुद सीएम होने के बाद भी हिमंता सरमा बोरा से मिलने गए उनके घर गए ।उनको वह सम्मान दिया जो सम्मान वह कांग्रेस नेताओं से चाहते थे। कांग्रेस नेताओं ने उनको रोकने की कोशिश की लेकिन वह समझ गए कि अमस में गोगोई परिवार के रहते उनको वह सम्मान नहीं मिल सकता क्योंकि एक राजनीतिक परिवार दूसरे राजनीतिक परिवार को ज्यादा पसंद करता है,जमीन से जुड़े नेताओं की तुलना में। भाजपा में जमीन से जुड़े हिमंता सरमा को कुछ समय बाद वह सम्मान मिला जो कांग्रेस ने नहीं दिया इसलिए भूपेन आश्वस्त रह सकते हैं कि भाजपा में उनको वह सममान मिलेगा जो कांग्रेस में नहीं मिला।

भारत के लिए बड़ा सबक है गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवाद

संतोष कुमार पाठक

20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 के लगभग वैश्विक एआई अग्रणी भारत की राजधानी दिल्ली में अपनी तरह के पहले वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। वैश्विक स्तर पर अपनी नई भूमिका की तलाश कर रहा भारत, दुनिया के सबसे बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इवेंट 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' की मेजबानी कर रहा है। यह पहली बार है जब एआई पर इस स्तर का वैश्विक सम्मेलन ग्लोबल साउथ में आयोजित किया जा रहा है। सरकार ने इसे लेकर दावा भी किया है कि इस शिखर सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख, मंत्रीगण, वैश्विक प्रौद्योगिकी अग्रणी, प्रख्यात शोधकर्ता, बहुपक्षीय संस्थान और उद्योग जगत के हितधारक एक साथ आएंगे और समावेशी विकास को बढ़ावा देने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे।

राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अभूतपूर्व वैश्विक भागीदारी के साथ चल रहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 अपने आप में यह बताता नजर आ रहा है कि भारत आज की तारीख में वैश्विक एआई संवाद का नेतृत्व कर रहा है और आने वाले दिनों में कोई भी देश भारत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकता। क्योंकि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 वैश्विक एआई एजेंडा को आकार देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करता है।

दुनियाभर के दिग्गजों के साथ-साथ इस समिट में भारत के भी कई विश्विद्यालय, कॉलेज और स्टार्टअप्स शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तो एआई को 5वीं औद्योगिक क्रांति की संज्ञा देते हुए यहां तक दावा किया कि, 3 लाख से ज़्यादा छात्रों और रिसर्चर्स ने रजिस्ट्रेशन किया है। देशभर के कई विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्टार्टअप ने समिट में एआई मॉडल्स की प्रदशर्नी भी लगाई गई है। जाहिर सी बात है कि इस समिट के जरिए जहां चर्चा भारत के युवाओं की बौद्धिक क्षमता और टैलेंट की होनी चाहिए थी, वहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने पूरी दुनिया के सामने भारत को शमर्सार कर दिया है। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीन में बने रोबोट को अपना इनोवेशन बताकर दिल्ली एआई समिट में पेश कर दिया। मीडिया से बात करते हुए एक प्रोफेसर ने बड़े ही गर्व के साथ चार पैरों वाले इस रोबोडॉग की खासियत भी कैमरे पर बताई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की इस प्रतिनिधि के हाव-भाव देखने लायक है ।इसका नाम 'ओरियन' बताते हुए उन्होंने दावा किया कि इसे यूनिवर्सिटी के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने तैयार किया है। सरकारी चैनल सहित देश के कई मीडिया संस्थानों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर जोर-शोर से चलाया और छापा भी। लेकिन चीन की तरफ से बयान आते ही पूरा मामला पलट गया। इसके बाद यह पता लगा कि वास्तव में यह गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा नहीं बल्कि चीन की एक कंपनी द्वारा बनाया गया एआई-पावर्ड रोबोटिक डॉग है, जो अपनी फुर्ती और एडवांस सेंसर्स के लिए दुनियाभर में मशहूर है।

विवाद बढ़ने और सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोल होने के बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने भी अपने झूठ को स्वीकार कर लिया। यूनिवर्सिटी ने एक लंबा चौड़ा बयान जारी कर यह स्वीकार किया कि यह रोबोडॉग उन्होंने नहीं बनाया है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने एक बार फिर से झूठ का सहारा लेते हुए यह भी कह दिया कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने इसे बनाने का दावा नहीं किया। जबकि उनके प्रोफेसर का वायरल वीडियो ही उनके झूठ का पर्दाफाश कर रहा है।

ऐसे में एक बार फिर से सरकार के विजन, नीति और फंड की व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े हो गए हैं। सरकार प्राइवेट विश्विद्यालय और कॉलेजों के सहारे देश में नई, बड़ी और स्पेशल रिसर्च नहीं करवा सकती क्योंकि इनकी भूमिका और इनके कामकाज का पूरा ढांचा ही संदिग्ध है। एडमिशन से लेकर क्लास और शिक्षा की गुणवत्ता पर भी कई बार गहरे सवाल खड़े हो चुके हैं। भारत सरकार रिसर्च, इनोवेशन और पेटेंट फाइल करने के नाम पर निजी विभविद्यालयों को जो मोटा फंड देती है, उसकी न्यायिक जांच करवाने का भी समय आ गया है।

दरअसल, यह बिल्कुल सही समय आ गया है कि सरकार पहले की तरह सरकारी स्कूल, कॉलेज और विश्विद्यालयों में शिक्षा हासिल कर रही प्रतिभाओं को हर तरह से उभारने में मदद करें। इन संस्थानों में फीस और लालफीताशाही दोनों कम होनी चाहिए, जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और करप्शन पर हर हाल में लगाम होनी चाहिए।

बंगाल का भविष्य : धर्म की लहर या प्रगति की राह ?

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी बाकी हो, पर राजनीतिक रणभेरी बज चुकी है। इस बार संकेत साफ हैं-चुनाव विकास बनाम विकास के दावे पर नहीं, बल्कि पहचान, अस्मिता और धर्म की ध्वजा के इर्द-गिर्द घूम सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य भर में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलनों को भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक उत्सव भर नहीं, बल्कि चुनावी अवसर में बदलने की रणनीति पर आगे बढ़ती दिख रही है। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने भी यह समझ लिया है कि यदि चुनाव की जमीन धार्मिक विमर्श पर खिसकती है तो उसे खाली नहीं छोड़ा जा सकता। कोलकाता के न्यू टाउन में ह्वदुर्गा आंगनह्ल का शिलान्यास और उसे बंगाली अस्मिता से जोड़ने का प्रयास इसी रणनीतिक सजगता का हिस्सा है।

बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग-संघर्ष, वाम वैचारिकी और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी-तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो ध्रूवों के बीच सिमट चुका है। यही द्विध्रूवीयता चुनाव को अधिक तीखा और अधिक पहचान-केन्द्रित बना रही है। भाजपा का अभियान चार प्रमुख सूत्रों पर टिका है-बंगाल में हिंदू खतरे में है, बांग्लादेशी घुसपैठ, महिलाओं की असुरक्षा और भ्रष्टाचार। सीमावर्ती जिलों का उदाहरण देकर यह संदेश गढ़ा जा रहा है कि जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है। अवैध घुसपैठ का प्रश्न नया नहीं है, पर उसे इस समय राजनीतिक ऊर्जा के साथ जोड़ा जा रहा है। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना, शिक्षक भर्ती घोटाले, हिन्दुओं पर बढ़ते अत्याचार एवं भ्रष्टाचार जैसे प्रसंगों को शासन की विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा का लक्ष्य स्पष्ट है-70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं में एक साझा असुरक्षा-बोध निर्मित करना, हिन्दुओं को जागृत करना और उसे मतदान व्यवहार में रूपांतरित करना। आज बंगाल में विकास की सबसे बड़ी बाधा घुसपैठियों का बढ़ना है। घुसपैठियों पर विराम लगाना चाहिए न कि इस मुद्दे पर राजनीति हो।

ममता बनर्जी की चुनौती दोहरी है।एक ओर उन्हें यह संदेश देना है कि वे अल्पसंख्यकों की संरक्षक हैं, दूसरी ओर हिंदू मतदाताओं को यह विश्वास भी दिलाना है कि उनकी आस्था और अस्मिता सुरक्षित है। 2021 के चुनाव में जब भाजपा ने ह्वजय श्रीरामह्ल के नारे को आक्रामक रूप से उछाला, तब ममता ने ह्वजय मां दुर्गाह्ल और ह्वचंडी पाठह्ल के माध्यम से एक सांस्कृतिक प्रत्युत्तर दिया था।इस बार वे दुर्गा आंगन जैसे प्रतीकों के जरिए यह संकेत दे रही हैं कि बंगाली हिंदू पहचान भाजपा की बपौती नहीं है। वे धर्म को राष्ट्रवाद की बजाय क्षेत्रीय अस्मिता के साथ जोड़ती हैं-ह्वबंगाल अपनी संस्कृति से हिंदू है, पर उसकी राजनीति बहुलतावादी हैह्व-यह उनका अंतर्निहित संदेश है। इसी बीच मुशिर्दाबाद में पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर द्वारा ह्वबाबरी मस्जिदह्ल के शिलान्यास की पहल ने नई जटिलता जोड़ दी है। इससे मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक अलग ध्रूवीकरण की संभावना पैदा हुई है। यदि मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता है, तो तृणमूल का गणित प्रभावित हो सकती है। 2021 में उसे लगभग 48 प्रतिशत वोट और 223 सीटें मिली थीं-जिसमें मुस्लिम मतों का एकमुश्त समर्थन निर्णायक था। भाजपा 38 प्रतिशत वोट के साथ 65 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष बनी। ऐसे में यदि मुस्लिम मत 5-10 प्रतिशत भी इधर-उधर खिसकते हैं, तो कई सीटों का परिणाम बदल सकता है और भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आ सकती है।

यहां प्रश्न केवल गणित का नहीं, राजनीति के चरित्र का भी है। क्या बंगाल का चुनाव धार्मिक पहचान के उभार का प्रयोगशाला बनेगा? या यह प्रयोग अंततः विकास, रोजगार और बुनियादी ढांचे के प्रश्नों पर लौटेगा? विडंबना यह है कि जिस बंगाल को कभी देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता था-जहां से उद्योग, शिक्षा और सांस्कृतिक नवजागरण की रोशनी फैलती थी, वह आज अधूरे प्रोजेक्ट्स, धीमी औद्योगिक गति और रोजगार के पलायन से जूझ रहा है। कोलकाता की सड़कों पर अधूरी मेट्रो लाइनें और बंद कारखानों की चुप्पी विकास की उस कहानी को बयान करती हैं, जो राजनीतिक नारों के शोर में दब जाती है। 2011 में टाटा के नैनो प्रोजेक्ट का राज्य से बाहर जाना एक प्रतीकात्मक मोड़ था। भूमि अधिग्रहण के प्रश्न पर जनसमर्थन पाने वाली राजनीति ने उद्योग के प्रति संशय का वातावरण भी बनाया। पंद्रह वर्षों बाद भी बंगाल बड़े निवेश की प्रतीक्षा में है। युवा रोजगार के लिए बाहर जा रहे हैं, और कई राज्यों में उन्हें ह्वबांग्लादेशीह्ल कहकर अपमानित किए जाने की खबरें आती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, आत्मसम्मान का प्रश्न भी है। किंतु चुनावी विमर्श में यह पीड़ा गौण हो जाती है, और केंद्र में आ जाता है-धर्म, पहचान और भय।

ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाती हैं; भाजपा राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का। सी.बी.आई. और ई.डी. की कार्रवाइयों को ममता राजनीतिक प्रतिशोध बताती हैं, जबकि भाजपा उन्हें कानून का पालन। इस टकराव ने प्रशासनिक संवाद को भी राजनीतिक संघर्ष में बदल दिया है। परिणाम यह है कि विकास का एजेंडा आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ जाता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या धर्म-आधारित ध्रूवीकरण स्थायी राजनीतिक समाधान दे सकता है? इतिहास बताता है कि धार्मिक उभार अल्पकालिक ऊर्जा तो देता है, पर दीघर्कालिक शासन-क्षमता की कसौटी पर उसे विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रश्नों से जूझना ही पड़ता है। यदि चुनाव केवल ह्लकौन किसका प्रतिनिधि हैह्व तक सीमित रह गया, तो ह्लकौन क्या करेगाह्व का प्रश्न अनुत्तरित रह जाएगा।

बंगाल की आत्मा बहुलतावाद में रही है-रामकृष्ण परमहंस से लेकर रवींद्रनाथ तक, यह भूमि विविध आस्थाओं और विचारों का संगम रही है। यहां दुर्गा पूजा और मुहर्रम दोनों सामाजिक उत्सव का रूप लेते रहे हैं। यदि राजनीति इस सामाजिक ताने-बाने को चुनावी अंकगणित में बदल देगी, तो समाज की संवेदनशीलता पर चोट पहुंचेगी। दूसरी ओर, यदि धार्मिक प्रतीकों का उपयोग सांस्कृतिक आत्मगौरव के साथ विकास-प्रतिबद्धता को जोड़ने में किया जाए, तो वह सकारात्मक भी हो सकता है। इस चुनाव में भाजपा की रणनीति हिंदू मतों का अधिकतम ध्रूवीकरण है; ममता की रणनीति हिंदू पहचान को बंगाली अस्मिता के साथ समाहित कर अल्पसंख्यकों के विश्वास को बनाए रखना है। मुस्लिम दलों की सक्रियता तृणमूल के लिए चुनौती है, पर वह भाजपा के लिए अवसर भी है। यह त्रिकोणीय-संभावना चुनाव को जटिल बनाती है। परंतु अंततः लोकतंत्र की परिपक्वता मतदाता तय करता है। यदि बंगाल का मतदाता विकास, रोजगार और सुशासन को प्राथमिकता देता है, तो राजनीतिक दलों को अपना विमर्श बदलना होगा। यदि वह पहचान की राजनीति को स्वीकार करता है, तो वही भविष्य की दिशा बनेगी।

राजनीति में जो राजनीतिक दल ताकतवर होता है वह कमजोर नही होना चाहता है,वह हमेशा ताकतवर ही बने रहना चाहता है इसलिए वह ऐसे प्रयास करता रहता है कि उनकी ताकत और बढ़े, वह ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहता है जिससे उसकी ताकत घटे और उसके कमजोर सहयोगी की ताकत बढ़े। जो दल राज्य में सत्ता में है,अपने दम पर सत्ता में है,वह अपने दम पर सत्ता में बने रहना चाहता है इसलिए सहयोगी दल को वह कम से कम सीटें देता है ताकि वह कमजोर रहे,सरकार में हिस्सेदारी न मांगे, चुनाव में ज्यादा सीटें न मांगे,सरकार बनाने के लिए कुछ सीटें कम पड़ जाए तो वह सहयोगी के दम पर सरकार बना सके। राजनीति का कड़वा सच है यह कि ताकतवर तो कमजोर सहयोगी का उपयोग जैसा चाहे वैसा करना चाहता है लेकिन कमजोर दल ताकतवर दल से अपनी हर बात नही मनवा सकता।

राज्यों में कांग्रेस नियति है कमजोर बने रहना

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव इसी साल होने हैं ।यहां इंडी गठबंधन में शामिल राजनीतिक दल द्रमुक की सरकार है,यहां द्रमुक व कांग्रेस व मिलकर चुनाव लड़ते हैं ।हमेशा द्रमुक यहां ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ता है और कांग्रेस कम सीटों पर चुनाव लड़ती है ।कांग्रेस 1967 के बाद तमिलनाडु में सत्ता में नहीं रही है.द्रमुक के साथ चुनाव लड़ने के बाद भी द्रमुक कांग्रेस को सत्ता में हिस्सा नहीं देता है ।आंकड़ों के मुताबिक कांग्रेस ने 1984 में 61 सीटें,1991 में 60 सीटें,2006 में 34 सीटें जीती थी,इसके बाद भी द्रमुक ने उसको सत्ता में हिस्सा नहीं दिया ।2021 में द्रमुक ने 173 सीटों में से 133 सीटें जीती और कांग्रेस 25 सीटों में से 18 सीटें जीती थीं। यानी कांग्रेस को द्रमुक ने पहले की तुलना में सीटें देनी कम कर दी है और सत्ता में हिस्सा न देने की परंपरा को बनाए हुए हैं। यानी द्रमुक ऐसा कुछ करना नहीं चाहता है कि कांग्रेस किसी भी तरह से खुद तो तमिलनाडु में मजबूत कर सके।

देश में ऐसे कई राज्य हैं जहां कभी कांग्रेस सत्ता में रहा करती थी यानी वह सबसे शक्तिशाली थी। उसे हटाकर ही क्षेत्रीय दलों ने राज्य में अपने को मजबूत किया है। क्षेत्रीय दल जानते हैं कि कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी है,वह राज्य में शासन कर चुकी है, उसका अपना जनाधार रहा है.वह राज्य में जैसे ही मजबूत होगी तो उसका जनाधार मजबूत हो सकता है ।इसलिए क्षेत्रीय दलउसे किसी भी तरह से मजबूत होने का कोई मौका नहीं देना चाहते है। कांग्रेस तमिलनाडु ही नहीं बिहार,यूपी जैसे बड़े राज्यो में भी सत्ता से बाहर होने के बाद से कमजोर बनी हुई है यानी क्षेत्रीय दलों के रहमोकरम पर मुश्किल से अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं ।वह जब भी चुनाव आता है तो क्षेत्रीय दलों से ज्यादा सीटें चुनाव लड़ने के लिए मांगती है लेकिन क्षेत्रीय दल देते नहीं है, बिहार मे उसने यही किया ।वह क्षेत्रीय दल की मर्जी के बिना ६१ सीटों पर चुनाव लड़ी, इससे क्षेत्रीय दल को नुकसान हुआ और कांग्रेस को कोई फायदा नहीं हुआ ।वह बिहार में ६१ में से सीटें ही जीत सकीं।

तमिलनाडु में कांग्रेस पिछले चुनाव में 25 सीटों पर चुनाव लड़ी थी और 18 सीटों पर चुनाव जीती थी। इस साल तमिलनाडु में विधानसभा के चुनाव होने हैं,कांग्रेस चाहती है कि विधानसभा चुनाव से पहले सीटों पर बात शुरू हो जानी चाहिए। द्रमुक की तरफ से इसमें देरी की जा रही है। कांग्रेस के पयर्वेक्षक यहां गठबंधन सरकार का बयान दे रहे हैं.कांग्रेस नेता खुले तौर पर सरकार में कांग्रेस की भूमिका की मांग कर रहे हैं यानी इस बार द्रमुक की सरकार बनती है तो कांग्रेस चाहती है कि उसे सत्ता में हिस्सा मिलना चाहिए।

कांग्रेस को सत्ता मे तब ही हिस्सा मिल सकता है जब ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़े और ज्यादा सीटें जीते। वह जानती है कि कम सीटों पर चुनाव लड़ने से वह ज्यादा सीटें नहीं जीत सकती, कम सीटें ही जीत सकती है, इसलिए वह इस बार पिछली बार की २५ सीटों से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है वह कम से कम ४५ सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। जब भी सीटों पर बात होगी तो माना जा रहा है कि वह द्रमुक से ज्यादा सीटों की मांग इस आधार पर करेगी कि पिछली बार वह ज्यादा सीटों पर जीती थी इसलिए उसे इस बार कम से कम २० सीटे ज्यादा चुनाव लड़ने के लिए दी जानी चाहिए ।राहुल गांधी कांग्रेस के सबसे बड़े राष्ट्रीय नेता भले हो लेकिन राज्य के नेता उनको बड़ा नेता मानते नहीं है क्योंकि वह कांग्रेस को चुनाव जिता नहीं पाते हैं। निरंतर चुनाव हारने से उनका राजनीतिक कद ऊँचा नहीं हो पाता है।

कांग्रेस को सबक लेना चाहिए

कांग्रेस की मुश्किल यह है कि समर्थन आधार बढ़ाने की कोई काययीजना उसके पास नहीं है। उसके नेता और कार्यकर्ता राजनीति की धूल-धक्कड़ में नहीं उतरना चाहते। वे नफासत से सियासत करते हैं, जिसका परिणाम जनाधार का सिकुड़ते जाना है।

डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने तमिलनाडु में कांग्रेस के साथ सत्ता साझा करने की संभावना से दो टूक इनकार कर इंडिया एलायंस को वैसे विवाद से बचा लेने की कोशिश है, जिसका भारी नुकसान इस समूह को कई राज्यों में उठाना पड़ा। गौरतलब है कि हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश लेकर बिहार तक- ऐसे विवाद में समान पात्र कांग्रेस रही। मध्य प्रदेश और हरियाणा में गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी होने की अपनी हैसियत को जताते हुए टिकट बंटवारे में उसने समाजवादी पार्टी या अन्य छोटे दलों की मांगों को सिरे से ठुकरा दिया। महाराष्ट्र और बिहार में अधिक सीटों पर उम्मीदवारी पाने के लिए सबसे बड़े दल पर उसने कई कोण से दबाव बनाए, जिसे बदमजगी पैदा हुई।

दोनों राज्यों में मुख्यमंत्री के चेहरे को समर्थन देने में उसने हील-हुज्जत की, जिससे गठबंधन में बिखराव का संदेश गया। अब वही तरीका तमिलनाडु की कांग्रेस इकाई ने कुछ समय पहले से अपनाया हुआ था। चुनाव लड ? के लिए अधिक सीट और चुनाव के बाद अगर सत्ता मिली, तो सरकार में मंत्री पद का पहले से वादा- कांग्रेस की इन दो मांगों से गठबंधन के अंदर खींचतान का माहौल बन रहा था। डीएमके ने दोनों मांगों को ठुकरा दिया है ।इस तरह अब यह कांग्रेस पर है कि वह राज्य में फिलहाल सत्ताधारी गठबंधन में रहे या नहीं। लोकतंत्र में सत्ता में आने की अपेक्षा रखना उचित ही है। लेकिन सत्ता मिलना या ना मिलना समर्थन आधार की ताकत से तय होती है।

कांग्रेस की मुश्किल यह है कि समर्थन आधार बढ़ाने की कोई काययीजना उसके पास नहीं है। संभवत : कांग्रेस नेतृत्व को इसकी चिंता भी नहीं है। उसके नेता और कार्यकर्ता राजनीति की धूल-धक्कड़ में नहीं उतरना चाहते। वे नफासत से सियासत करते हैं, जिसका परिणाम जनाधार का सिकुड़ते जाना है। ऐसे में अधिकांश राज्यों में सहयोगी दलों की पीठ पर सवारी उनकी मजबूरी बन गई है। मगर इसमें भी वे अपनी शर्तें थोपना चाहते हैं। इसका खराब तजुर्बा सहयोगी दलों को हुआ है। मगर वैसे अनुभव से गुजरने से डीएमके ने इनकार किया है, तो कांग्रेस को उससे सबक लेना चाहिए।

मिनट बुक की प्रमाणित प्रति को लेकर विवाद, कार्यकारिणी सदस्य ने उठाए सवाल

मीटिंग के बाद काटी लकीर को मिटा फर्जी प्रस्ताव को लिखने का मामला

नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव

श्री देव आनंद जैन शिक्षण संघ की मिनट बुक की प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराने को लेकर संस्था के भीतर विवाद गहराता दिख रहा है। संस्था के पूर्व कायर्कारिणी सदस्यसुभाष सुराना दुर्ग निवासी ने आरोप लगाया है कि उनके द्वारा बार-बार आवेदन किए जाने के बावजूद प्रमाणित प्रति देने से स्पष्ट इनकार किया जा रहा है।

आवेदक के अनुसार, उन्होंने मिनट बुक की प्रमाणित प्रति प्राप्त करने के लिए कई बार लिखित निवेदन किया, किंतु पूर्व सचिव गौतमजी पारख एवं वतर्मान सचिव द्वारा प्रति देने से मना कर दिया गया। आवेदक का कहना है कि उन्हें केवल ्कार्यालय में आकर दस्तावेज देख लेने्ह का सुझाव दिया गया, जबकि वे विधिवत प्रमाणित प्रति चाहते हैं।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वे स्वयं संस्था के कार्यकाल में कायर्कारिणी सदस्य रह चुके हैं, इसलिए दस्तावेज की प्रमाणित प्रति पर उनका वैधानिक अधिकार बनता है।

मामले में एक और गंभीर आरोप सामने आया है। आवेदक का दावा है कि पूर्व अध्यक्ष प्रवीण श्रीमाल ने मिनट बुक में खाली स्थान को काटकर हस्ताक्षर किए थे। बाद में उसी स्थान पर पूर्व सचिव गौतम पारख द्वारा इस प्रस्ताव को प्रवीण श्री श्रीमाल अध्यक्ष द्वारा प्रस्तावित कर सर्वसम्मति से पारित दर्शाए जाने की बात कही जा रही है। इस घटनाक्रम को लेकर पारदर्शिता और प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न खड़े किए जा रहे हैं।

आवेदक ने संस्था के प्रमुख ट्रस्टी कमलजी पटवा से विनम्र निवेदन करते हुए मांग की है कि उन्हें तत्काल मिनट बुक की प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराई जाए, ताकि तथ्यों की स्पष्टता हो सके। साथ ही, उन्होंने बताया कि इस संबंध में समस्त लिखापढ़ी पूर्व उपाध्यक्ष एवं वतर्मान कोषाध्यक्ष ऋषभ नाहटा को व्हाट्सऐप के माध्यम से भेजी गई थी। आवेदक के मुताबिक, श्री नाहटा ने दस्तावेज में लाइन खींचे होने की जानकारी दी थी और मामले को देखने का आश्वासन भी दिया था।

संस्था के भीतर उठे इस विवाद ने सदस्यों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है। आवेदक ने उम्मीद जताई है कि संस्था प्रबंधन निष्पक्षता और पारदर्शिता के सिद्धांतों के अनुरूप शीघ्र उचित निर्णय लेगा।

खास खबर

जगदलपुर में 12 मार्च को विनय कुशल मुनि जी आगमन

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

जैन समाज के लिए हर्ष और श्रद्धा का विषय है कि परम पूज्य गणाधीश पन्यास प्रवर विनय कुशल मुनि जी तथा ठाणा 7 का जगदलपुर में आगामी 12 मार्च (गुरुवार) को संभावित आगमन प्रस्तावित है। इस समाचार से स्थानीय जैन समाज में उत्साह और तैयारियों का माहौल देखा जा रहा है। समाज द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, दिनांक 15 मार्च (रविवार) को देशभर से पधारने वाले विभिन्न संघों की उपस्थिति में विनय कुशल मुनि जी के समक्ष उन्हें आचार्य पद स्वीकार करने हेतु विनती की जाएगी। इसी अवसर पर आगामी तिथि एवं स्थान की घोषणा भी जगदलपुर में किए जाने की संभावना व्यक्त की गई है।

बताया गया है कि संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन शासन रत्न एवं विधिकारक मनोज कुमार हरण के मार्गदर्शन में सम्पन्न होगा। इस अवसर को जगदलपुर संघ के लिए अत्यंत सौभाग्यशाली बताते हुए समाज के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने का विनम्र आग्रह किया है। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि ऐसे विरल आध्यात्मिक अवसर समाज को एकता, साधना और श्रद्धा से जोड़ते हैं। आगमन और कार्यक्रम को लेकर मंदिर परिसर एवं समाज स्तर पर व्यवस्थाओं की तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं।

17 मार्च को खैरागढ़ से उठेगी आवाज : यूजीसी समर्थन व अधिकारों के लिए संयुक्त मोर्चा का ऐलान

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

शहर की सामाजिक और शैक्षणिक सरोकारों से जुड़ी एक महत्वपूर्ण पहल के तहत एससी, एसटी एवं ओबीसी संयुक्त मोर्चा ने 17 मार्च 2026 को व्यापक रैली और धरना-प्रदर्शन का ऐलान किया है। हाल ही में आयोजित एक सघन बैठक में जिले के विभिन्न समाजों के सैकड़ों प्रतिनिधियों ने भाग लेकर सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि यूजीसी समर्थन सहित अन्य लंबित मांगों को लेकर अब शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावी जनआंदोलन किया जाएगा।

बैठक में वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि शिक्षा और सामाजिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर लंबे समय से अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो पाई है। कई ज्ञापन और निवेदनों के बावजूद समाधान की दिशा में ठोस प्रगति न होने से समाज में चिंता व्याप्त है। ऐसे में संयुक्त मोर्चा ने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात शासन-प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाने की रणनीति बनाई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 17 मार्च, मंगलवार को रावण भाठा इतवारी बाजार में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद रैली बक्सी मार्ग, गोलबाजार, राजीव चौक, नया बस स्टैंड चौक और अंबेडकर चौक से गुजरते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचेगी। वहां प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल, राष्ट्रपति एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन कलेक्टर के माध्यम से सौंपेगा।

बैठक में आंदोलन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि यह केवल एक समाज का नहीं, बल्कि समान अवसर और अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने युवाओं, विद्यार्थियों और समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में शामिल होकर एकजुटता का परिचय दें। संयुक्त मोर्चा ने स्पष्ट किया है कि आंदोलन पूर्णतः शांतिपूर्ण और संवैधानिक दायरे में रहेगा। उद्देश्य किसी टकराव का नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से न्यायपूर्ण समाधान प्राप्त करना है—ताकि शिक्षा और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर ठोस कदम उठाए जा सकें।

निगम भिलाई क्षेत्र में भी बेसहारा व बेघर बुजुर्गों के लिए वृद्धा आश्रम बनाया जाएगा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर निगम भिलाई क्षेत्र में भी बेसहारा व बेघर बुजुर्गों के लिए वृद्धा आश्रम बनाया जाएगा। शासन के आदेश और योजना के तहत एक सर्व सुविधा युक्त वृद्धा आश्रम बनाने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए सबसे पहले जमीन की जरूरत है। जिसकी तलाश निगम प्रशासन ने शुरू कर रही है। शहर के आसपास शांत और अच्छे वातावरण में इसका निर्माण करने जमीन तलाश की जा रही है। इसे बाद ड्राइंग डिजाइन के साथ प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जाएगा।

नगर निगम आयुक्त राजीव पांडेय ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन ने प्रदेश के प्रमुख नगरीय निकायों में बुजुर्गों के लिए अत्याधुनिक वृद्धाश्रम बनाने का फैसला लिया है। समाज कल्याण विभाग, मंत्रालय महानदी भवन से जारी आदेश के तहत रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, दुर्ग, कोरबा समेत अन्य शहरों में वृद्धजनों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त आश्रय गृह बनाए जाएंगे। भिलाई नगर निगम क्षेत्र में भी वृद्धाश्रम निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

भारत सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने डेमॉन्स्ट्रेशन हाउसिंग प्रोजेक्ट के तहत दिशा-निर्देश जारी किए है। नगरीय निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि वे उपयुक्त शासकीय भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव अपने प्रशासनिक विभाग के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजें। निर्माण कार्य के लिए 100 प्रतिशत अनुदान भारत सरकार द्वारा दिया जाएगा निर्माण पूर्ण होने के बाद वृद्धाश्रम का संचालन एवं संधारण छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग को सौंपा जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य बुजुर्ग नागरिकों को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया है, ताकि बढ़ती शहरी आबादी के बीच अकेले रह रहे या असहाय बुजुर्गों को बेहतर देखभाल और आवास की सुविधा मिल सके। वृद्धाश्रमों में आवास, भोजन, स्वास्थ्य जांच, मनोरंजन और सामाजिक गतिविधियों की पूरी व्यवस्था की जाएगी। नगर निगमों को शीघ्र प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्साहपूर्वक मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

हिंदू जागरण मंच जिला राजनांदगांव द्वारा वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज जी की जयंती बड़े हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में स्थानीय शिवाजी पार्क में मनाई गई। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने शिवाजी महाराज के जीवन, संघर्षए शौर्य और राष्ट्रनिष्ठा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में हिंदवी स्वराज्य की स्थापना कर भारत की संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा की। उनके आदर्श आज भी युवाओं को राष्ट्रभक्ति, साहस और संगठन की शक्ति का संदेश देते हैं।

वक्ताओं ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज केवल एक महान योद्धा ही नहीं, बल्कि कुशल प्रशासक, दूरदर्शी शासक और जनहितैषी राजा थे। उन्होंने नारी सम्मान, धार्मिक सहिष्णुता एवं सुशासन की मिसाल प्रस्तुत की। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी उनके चरित्र और

आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करे।

कार्यक्रम के दौरान भारत माता की जय एवं छत्रपति शिवाजी महाराज अमर रहें, जैसे नारों से पूरा शिवाजी पार्क गूंज उठा। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि हिंदू जागरण मंच समाज में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक जागरूकता के लिए सतत कार्य करता रहेगा।

अंत में सभी उपस्थित जनों को प्रसाद वितरण किया गया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम की व्यवस्था में संगठन के सभी कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से सुशील लड्ढा, प्रवीण शर्मा, हेमलाल ढीमर, सविता बोस, मौसमी शर्मा, जुगल गुप्ता, संजय सरोदे, हरीश भानुशाली, महेंद्र जंघेल, राज बहादुर सिंह, आशीष तिवारी, राजू साहू, आनंद गुप्ता, भोला यादव, दिनेश झूलन, रोहित यादव, विष्णु सिन्हा, टिंकू सोनी, कालू सेन, राकेश, विकास बाफना, अनिल बाजपेई, राज सोनकर, संजय सरोदे, गप्पू सोनकर, टीनू जैन, अप्पी जैन समेत अनेक सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुनी 'मन की बात' की 131वीं कड़ी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 131वें एपिसोड का श्रवण किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, विधायक प्रबोध मिंज, छत्तीसगढ़ बेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी, छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला, अखिलेश सोनी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम देशवासियों को सकारात्मक सोच, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने वाला सशक्त संवाद बन चुका है। उन्होंने कहा कि ्मन की बात्ह केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के कोने-कोने में हो रहे प्रेरक प्रयासों और असाधारण उपलब्धियों को सामने लाने वाला मंच है, जो समाज में सेवा, नवाचार

और सहभागिता की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि सभी लोग प्रत्येक माह इसके प्रसारण का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमता और भविष्य की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए देश को नई दिशा का संदेश दिया है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट में भारत की तकनीकी शक्ति को विश्व ने सराहा और ्मेड इन इंडिया्ह के तीन एआई मॉडल लॉन्च होना देश की नवाचार क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भी नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से तकनीकी नेतृत्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कृषि क्षेत्र में देश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत में धान की 500 से अधिक किस्मों की खेती हो रही है और देश विश्व का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के किसानों की अथक मेहनत, वैज्ञानिकों के निरंतर अनुसंधान और सरकार की दूरदर्शी नीतियों का महत्वपूर्ण योगदान है। यह आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करने वाला परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा अमूल के माध्यम से पशु चिकित्सा और डेयरी प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग तथा ्सुश्रुत संहिता्ह जैसे प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण और अनुवाद के प्रयासों का उल्लेख भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीक के उत्कृष्ट समन्वय का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह भारत की परंपरा और तकनीक दोनों की शक्ति को दर्शाता है।

संगीत विश्वविद्यालय शिक्षक संघ द्वारा करियर एडवांस स्कीम के तहत शीघ्र प्रमोशन की मांग

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में 18 फरवरी को शिक्षक संघ की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई थी । जिसमें सभी सदस्यों ने एकमत होकर शीघ्र अतिशीघ्र प्रमोशन की मांग उठाई।।लगभग 5 वर्षों से विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों का करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत प्रमोशन लंबित है,जिसके कारण शिक्षकों के हक का हनन हो रहा है,वहीं विश्वविद्यालय की स्थिति पर चिंता जताई गई है ।

वर्तमान में विश्वविद्यालय में मात्र दो प्रोफेसर और तीन एसोसिएट प्रोफेसर है। समय पर करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत प्रमोशन ना होने के कारण विश्वविद्यालय के दो संकाय अधिष्ठाता विहीन है। संघ की बैठक में शिक्षकों द्वारा चिंता व्यक्त की गई की सालों से प्रमोशन ना होने के कारण शिक्षकों का हक मारा जा रहा है यदि समय पर प्रमोशन होता तो आज कई शिक्षक एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर और डीन बनने का अवसर प्राप्त होता।

इस संबंध में संघ ने आम सहमति बनाते हुए निर्णय लिया कि करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत

प्रमोशन की शीघ्र कार्यवाही हेतु कुलपति को पत्र लिखा जाए तथा उसकी प्रतिलिपि माननीय राज्यपाल, उच्च शिक्षा विभाग तथा ऑल इंडिया फेडरेशन आफ यूनिवर्सिटी एण्ड कॉलेज टीचर ऑर्गेनाइजेशन को भी भेजा जाए ताकि यदि कोई वैधानिक परेशानी हो तो उसे दूर किया जा सके। शिक्षक संघ में यह भी निर्णय लिया गया की प्रमोशन के लिए जिस संकाय में अधिष्ठाता नहीं है वहां वतर्मान में नियुक्त किसी अन्य डीन को प्रमोशन की कार्रवाई होने तक के लिए अधिकृत करने का प्रस्ताव दिया गया। संघ में यह बात भी उभर कर सामने आई की के डिपॉजिट में जो सातवें वेतन मान के एरियश की राशि है उसका भुगतान शीघ्र किया जाए।

बैठक में यह भी बात उठी की विगत दिनों विश्वविद्यालय संग्रहालय में कार्यरत अधिकारी द्वारा इतिहास विभाग में कार्यरत शिक्षक के संबंध में निराधार और झूठी शिकायत की गई थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए निराधार शिकायत करने वाले पर विश्वविद्यालय द्वारा ठोस कारर्वाई किए जाने हेतु प्रशासन को पत्र लिखे जाने का निर्णय लिया गया जिससे भविष्य में कोई भी व्यक्ति किसी शिक्षक के विरुद्ध निराधार आरोप न लगा सके।

अन्य मुद्दों में पुरानी पेंशन बहाली तथा विश्वविद्यालय के प्रकृति के अनुरूप प्रमोशन के लिए पूर्व में प्रेषित एपीआई के नवीन प्रारूप को स्वीकृत किए जाने विषयक कार्यवाही तत्काल करने संबंधी पत्र लिखे जाने का निर्णय हुआ। बैठक में डॉ. मंगलानंद झा अध्यक्ष, डॉ. विवेक नवरे वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डॉ. दिवाकर कश्यप कनिष्ठ उपाध्यक्ष, डॉ. मेदनी होम्बल सहसचिव, डॉ. दीपशिखा पटेल कोषाध्यक्ष, डॉ. नमन दत्त,डॉ. वेंकट रमन गुड़े, डॉ. देव माइत मिंज, डॉ. पूणिर्मा केलकर, डॉ. रवि नारायण गुप्ता, डॉ. कौस्तुभ रंजन, डॉ. शिवाली सिंह बैस, डॉ. सुशांत दास, जगदेव नेताम, संदीप किंडों तथा डॉक्टर हरिओम हरि उपस्थित थे।

बुनकर सहकारी समिति मर्यादित खैरागढ़ औद्योगिकशैक्षणिक भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

रानी रश्मि देवी सिंह शासकीय महाविद्यालय खैरागढ़ के प्राचार्य डॉ.ओ.पी गुप्ता एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जितेंद्र कुमार साखरे के मार्गदर्शन में अथर्शास्त्र व वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुनकर समिति छुईखदान की औद्योगिक अनुबंध के तहत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के लिए ले जाया गया।

छात्र-छात्राओं को बुनकर समिति के मैनेजर युवराज देवांगन ने कच्चे माल की प्राप्ति , सुत निर्माण, करघे पर बुनाई , रंगाई,प्रिंटिंग तथा तैयार वस्तुओं के विपणन की संपूर्ण प्रक्रिया का विस्तार से परिचय कराया। विद्यार्थियों ने आधुनिक एवं पारम्परिक करघों की संचालन को प्रत्यक्ष रूप से देखा तथा सहकारी मॉडल के लाभों की जानकारी प्राप्त की छात्र-छात्राओं ने विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासाओं को समाधान किया। इस दौरान सहायक प्रध्यापक सतीश कुमार, मोनिका जत्ती , सृष्टि वर्मा, हिरेंद्र ठाकुर सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

30 की उम्र में अक्सर शरीर के अंगों के कामकाज की रफ्तार धीमी होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि महिलाएं अपनी सेहत का खास ख्याल रखें।

30 की उम्र में इन न्यूट्रिएंट्स से करें दोस्ती, बुढ़ापे में नहीं होगी परेशान

30 साल के बाद हर किसी का शरीर एक्स्ट्रा केयर खोजता है। खासकर महिलाओं को इसकी ज्यादा जरूरत होती है। इस उम्र में अक्सर शरीर के अंगों के कामकाज की रफ्तार धीमी होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि महिलाएं अपनी सेहत का खास ख्याल रखें। आज हम आपको एक्सपर्ट की बताएं उन पांच न्यूट्रिएंट्स की जानकारी दे रहे हैं, जिसे हर महिला को अपने डाइट का हिस्सा बनना चाहिए।

विटामिन डी

महिलाओं को अपनी डाइट में विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थों को जरूर शामिल करना चाहिए। यह एक मास्टर न्यूट्रिएंट्स होता है, जो आप के हार्मोनल बैलेंस को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा यह मूड बूस्टर की तरह काम करता है और इम्यूनिटी मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विटामिन डी की कमी आप दूध, मशरूम, सेलमन मछली का सेवन करके पूरा कर सकते हैं।

आयरन

आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। खासकर आप वर्किंग वुमन हैं और आप बहुत जल्दी थकान और कमजोरी महसूस करती हैं यह एक परफेक्ट एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है। इससे शरीर में खून की कमी नहीं होती है और एनीमिया जैसी बीमारी की चपेट में आने से आप बच सकती हैं। इसके लिए आप नट्स, सीड्स, पालक ब्रोकली, अनार का सेवन कर सकती हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

हार्ट और ब्रेन हेल्थ को बरकरार रखने के लिए महिलाओं को ओमेगा 3 फैटी एसिड युक्त खाद्य पदार्थों को भी डाइट में शामिल करना चाहिए। यह इन्फ्लेमेशन से भी लड़ने में मदद करता है और आपको क्रॉनिक बीमारियों के खतरे से बचाता है। इसके लिए आप चिया सीड्स,दूध, सी फूड का सेवन कर सकती हैं।

कैल्शियम

कैल्शियम भी एक बहुत ही जरूरी न्यूट्रिएंट्स है। यह न सिर्फ हड्डियों को मजबूती देता है बल्कि ओवर ऑल स्ट्रैथ के लिए जिम्मेदार होता है। इससे मसल्स का फंक्शन भी सही होता है और नर्व भी ठीक प्रकार से फंक्शन करता है। इसकी कमी को पूरा करने के लिए डेयरी प्रोडक्ट्स को डाइट में शामिल करना चाहिए।

फोलेट

फोलेट भी बहुत ही जरूरी न्यूट्रिएंट्स में से एक है। खासकर जो महिलाएं मां बनने वाली हैं, उन्हें अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। इससे रेड ब्लड सेल्स बूस्ट होता है और खून की कमी नहीं होती। इसके लिए चिकपी, ब्रोकली, नट्स का सेवन करना चाहिए।

जिंदगी की भागदौड़ से हो गए हैं परेशान? सेहतमंद रहने के लिए इन बातों पर दें ध्यान

कई बार हम अंदर ही अंदर घुटते रहते हैं, जिसका असर मेंटल ही नहीं फिजिकल हेल्थ पर भी होता है। एक्सपर्ट की बताई कुछ खास बातों का ख्याल रखकर आप खुद को सेहतमंद रख सकती हैं।

भागदौड़ से भरी इस जिंदगी में भला कौन तनाव से परेशान नहीं है। सभी को किसी न किसी बात का स्ट्रेस तो है ही। जिंदगी की मुश्किलों को हल करते हुए अक्सर हम खुद की परवाह करना भूल जाते हैं। अपनी सेहत को लेकर लापरवाह हो जाते हैं। लेकिन असल में सेहतमंद रहने के लिए सही खान-पान, एक्सरसाइज और हेल्दी रूटीन के अलावा भी कई चीजें जरूरी हैं। जब हम मानसिक तौर पर परेशान होते हैं, अपने दिल की बात कह नहीं पाते हैं या फिर ओवरथिंकिग करते हैं, तो इसका असर हमारी ओवरऑल हेल्थ पर होता है। इसलिए, खुद को खुश रखने पर और खुद की परवाह करने पर ध्यान देना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें।

सोशल एक्टिविटी पर ध्यान दें

अक्सर हम जिंदगी की भागदौड़ में इतना उलझ जाते हैं कि उन चीजों पर ध्यान नहीं दे पाते हैं जो असल में हमारे लिए जरूरी हैं। रोजमर्रा के कामकाज के बीच हर हफ्ते कम से कम एक घंटा आपको किसी सोशल एक्टिविटी से लिए निकालना चाहिए। अपने दोस्तों से मिलें, बाहर जाएं या फिर कुछ भी ऐसा करें जो आपको पसंद हो। इसका मेंटल हेल्थ पर पॉजिटिव असर होता है।

सेल्फ केयर पर ध्यान दें

इस बात को समझना जरूरी है कि आप अपने अपनों के लिए भी कुछ तभी कर पाएंगे तब आप खुद हेल्दी होंगे। इसलिए, अपनी परवाह करें। खान-पान को नजरअंदाज न करें। हेल्दी डाइट लें, खुलकर अपने बारे में बात करें और एक हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो करें। अगर शरीर में किसी तरह की परेशानी महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

ब्रेक भी है जरूरी

जिंदगी की भागदौड़ से अगर आप थक गए हैं और आपके स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ रहा है, तो इसे समझें। रोजमर्रा की जिंदगी के थोड़ा ब्रेक भी जरूरी है। ब्रेक में हेल्दी एक्टिविटी जैसे योगा, ब्रिस्क वॉकिंग, रीडिंग या फिर कुछ भी और करें, जिससे आपकी सेहत पर अच्छा असर हो।

हार्मोनल इंबैलेंस दूर करने के लिए महिलाएं डाइट में शामिल करें ये चीजें

महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन जैसे कई हार्मोन्स का सही संतुलन होना जरूरी है। हार्मोनल इबैलेंस दूर करने के लिए कुछ खास चीजों को डाइट में लेना और हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करना जरूरी है।

हार्मोनल बैलेंस का सीधा असर हमारी सेहत पर होता है। अगर शरीर में हार्मोन्स बैलेंस नहीं हैं, तो इससे हमारी पूरी सेहत प्रभावित होती है। शरीर के सही तरह से फंक्शन करने के लिए हार्मोन्स का लेवल सही होना जरूरी है। खासकर, महिलाओं के शरीर में अगर हार्मोन्स ऊपर-नीचे होते हैं, तो इससे महिलाओं की फर्टिलिटी, डाइजेशन, वजन और मूड समेत कई चीजें प्रभावित होती हैं। महिलाओं की हार्मोनल हेल्थ के लिए एस्ट्रोजन हार्मोन का सही लेवल जरूरी है। कुछ फूड्स इसे मैनेज करने में खास भूमिका निभाते हैं। इन्हें महिलाओं को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। इस बारे में डाइटिशियन राधिका गोयल जानकारी दे रही हैं। राधिका सर्टिफाइड डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट हैं।

फाइबर रिच फूड्स

फाइबर रिच फूड्स शरीर में एस्ट्रोजन के लेवल को बैलेंस करने में मदद करते हैं। ये शरीर से अतिरिक्त एस्ट्रोजन को बाहर निकालने के लिए जरूरी होते हैं। एस्ट्रोजन की अधिक मात्रा शरीर के कई फंक्शन्स पर असर डाल सकती हैं। ऐसे में फाइबर रिच फूड्स को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

क्रूसिफेरस वेजिटेबल्स

ब्रोकली, पत्तागोभी और फूलगोभी जैसी क्रूसिफेरस सब्जियां भी शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन को बैलेंल करने के लिए जरूरी हैं। इन सब्जियों में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो एस्ट्रोजन मेटाबॉलिज्म और बैलेंस के लिए जरूरी होते हैं।

हेल्दी फैट्स

शरीर को सेहतमंद बनाए रखने के लिए हेल्दी फैट्स जरूरी हैं। हेल्दी फैट्स जैसे एवाकाडो, फैटी फिश और नट्स को डाइट में शामिल करें। इससे हार्मोनल बैलेंस में मदद मिलती है।

फ्लैक्स सीड्स

फ्लैक्स सीड्स में लिग्नांस होते हैं और कई ऐसे गुण पाए जाते हैं जो एस्ट्रोजन लेवल को रेगुलेट करने में मदद करते हैं। इन्हें आप कई तरह से डाइट में शामिल कर सकती हैं। इनकी चटनी (अलसी के बीज की चटनी), रोटी और रोस्टेड सीड्स भी फायदेमंद होते हैं।

चिया सीड्स

फ्लैक्स सीड्स की तरह चिया सीड्स में भी लिग्नांस और फाइबर होता है। ये भी हेल्दी एस्ट्रोजन मेटाबॉलिज्म को सपोर्ट करते हैं। इन्हें भिगोकर डाइट में शामिल करें। इससे वजन भी कंट्रोल में रहता है।

बच्चों में नजर आने वाले ये लक्षण हो सकते हैं एनीमिया के संकेत

एनीमिया एक ऐसी समस्या है जिसमें शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या में कमी हो जाती है। यानी शरीर में खून की कमी हो जाती है। लाल रक्त कोशिकाओं में हीमोग्लोबिन होता है, यह एक ऐसा प्रोटीन होता है जो फेफड़ों से ऑक्सीजन ले जाने और शरीर के सभी भागों में पहुंचाने में सक्षम बनाता है। जब शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की कमी हो जाती है तो रक्त ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पता है। यह ज्यादातर महिलाओं में देखने को मिलता है लेकिन बच्चे भी इसके शिकार हो जाते हैं। आज हम जानेंगे कि बच्चों में एनीमिया होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं।

बच्चों में एनीमिया होने पर नजर आने वाले लक्षण

- अगर आपका बच्चा थोड़ी देर ही खेलने के बाद थक जाता है तो यह एनीमिया के सबसे आम लक्षणों में से एक।
- खून की कमी के कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर होने लगती है जिससे बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है।
- एनीमिया के चलते बच्चों में चिड़चिड़ापन और बेचैनी भी देखने को मिलता है।
- सीढ़ियां चढ़ने बाद बच्चे का सांस फूलने लगना या सांस लेने में दिक्कत हो तो यह भी एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं। खून की कमी के कारण ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं हो पाती है।
- बार-बार बच्चा सिर में दर्द और चक्कर की शिकायत करता है तो भी ये एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं।
- त्वचा और आंखों का पील पड़ना भी एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं।
- कई बार हार्ट रेट भी बढ़ जाता है और शरीर का तापमान भी गिरने लगता है।
- यह भी पढ़ें-हार्ट अटैक आने के 15 मिनट के अंदर कर लें उपाय, बच सकती है मरीज की जान

ऐसे करें बचाव

- ऐसे कोई भी लक्षण आपके बच्चे में नजर आते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर से चेकअप करवाएं और डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाई का सेवन करवाएं।
- इसके अलावा आप हरी सब्जियां,दाल, नॉन वेजिटेरियन फूड भी बच्चे को खिला सकते हैं। इससे भी शरीर में रेड ब्लड सेल्स बढ़ते हैं।
- विटामिन सी से भरपूर नींबू, संतरा, कीनू, कीवी, स्ट्रॉबेरी जैसे पौष्टिक फलों को डाइट का हिस्सा बनाएं। इससे भी शरीर आयरन को तेजी से अब्जॉर्ब कर पाता है।

सेहत को कमाल के फायदे पहुंचाती है अमरूद की चटनी

अमरूद एक ऐसा फल है जो सभी को पसंद आता है। नमक और मिर्च लगाकर अमरूद खाने का जो मजा है वह शायद ही किसी और फल को खाने में आता होगा। कुछ लोग अमरूद साबुत कहते हैं तो कुछ इसकी जेली बनाकर खाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी अमरूद की चटनी खाई है? जी हां अमरूद की चटनी खाने में तो स्वादिष्ट लगती ही है, इससे सेहत को भी खूब लाभ पहुंचता है। आइए जानते हैं इस बारे में डाइटिशियन लवनीत बत्रा से।

अमरूद की चटनी खाने के फायदे

- अमरूद में मौजूद पोषक तत्वों की बात करें, तो इसमें मैगनीज, पोटैशियम, विटामिन- सी, मिनरल, लाइकोपीन फाइबर होते हैं। वहीं, जब इसकी चटनी बनाई जाती है, तो इसमें और भी कई तरह के इंग्रीडिएंट को शामिल किए जाते हैं, जिससे इसका फायदा दोगुना हो सकता है।
- अमरूद की चटनी का सेवन करने से डायबिटीज के मरीजों को फायदा हो सकता है। दरअसल, इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है।, इसकी वजह से यह ब्लड शुगर को रेगुलेट करने में मदद करता है। इससे शुगर स्पाइक नहीं होता है।
- अमरूद में पोटैशियम भी होता है जो कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करके हार्ट हेल्थ को फायदा पहुंचा सकता है।
- इसके अलावा, इस चटनी का सेवन करने से पाचन दुरुस्त होता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन- तंत्र को बूस्ट करता है, जिससे कब्ज और, एसिडिटी जैसी परेशानी नहीं होती है।
- इसमें भरपूर विटामिन- सी होता है, जिससे आपकी इम्यूनिटी मजबूत बनती है। इससे आपकी ओवरऑल हेल्थ को फायदा पहुंचता है। वहीं, इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल से लड़ने में मदद करते हैं, जिससे कई तरह की क्रॉनिक बीमारियों का खतरा कम होता है।

क्या आप भी डेंटल फ्लॉस का इस्तेमाल करते हैं? जान लें नुकसान

दांत साफ हो तो आपकी मुस्कान और भी ज्यादा खूबसूरत लगती है। इसलिए जरूरी है कि दांतों को सही तरीके से साफ किया जाए। ओरल हेल्थ न सिर्फ दांतों को सड़न से बचाता है बल्कि ओवरऑल हेल्थ को फायदा पहुंचता है। यही वजह है कि अक्सर डॉक्टर डेंटल फ्लॉस इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं, जिससे दांतों के बीच फंसे भोजन आराम से निकल जाता है। लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि डेंटल फ्लॉस के कुछ नुकसान भी हैं। आइए इस बारे में डेंटल डॉक्टर तलविया खान से जानते हैं।

क्या होता है डेंटल फ्लॉस

डेंटल फ्लॉस एक काफी पतला सिंथेटिक धागा होता है जिसे दांतों के बीच में घुसाकर दांतों के बीच फंसी गंदगी को हटाया जा सकता है। कई बार कुछ ऐसा खाते हैं जो दांतों के बीच में फंस जाता है और इसके कारण बैक्टीरिया पैदा होते हैं। इससे मुंह में स्मेल और सड़न जैसी दिक्कत होती है। वहीं डेंटल फ्लॉस इस्तेमाल करने से दांतों में प्लाक जमा नहीं होते हैं। एक्सपर्ट की माने तो डेंटल फ्लॉस से फायदा और नुकसान दोनों हो सकता है। यह पूरी तरह से इस बात पर डिपेंड करता है कि आप किस तरह का फ्लॉस इस्तेमाल करते हैं। दरअसल कुछ ऐसे डेंटल फ्लॉस होते हैं जो टॉक्सिक केमिकल टेपलॉन से बनाए जाते है। जब शरीर के अंदर यह केमिकल जाते हैं तब थायराइड जैसी समस्या हो सकती है हार्मोन असंतुलन हो सकता है। वहीं कुछ फ्लॉस में फ्रेगर्नेस होता है। यह सिंथेटिक खुशबू होती है। इनमें भी कई तरह के केमिकल पाए जाते हैं जिससे शरीर के अंदर गड़बड़ी हो सकती है। वहीं जो लोग दिन भर में एक बार से ज्यादा फ्लॉसिंग करते हैं उनके मसूड़े की टिशू डैमेज हो सकती है। इसके अलावा दांतों के बीच स्पेस भी बढ़ सकता है।

फ्लॉसिंग का सही तरीका

- एक्सपर्ट कहती हैं कि ओरल हेल्थ के लिए फ्लॉसिंग जरूरी है लेकिन आप जब भी फ्लॉस स्टिक का चुनाव करें तो ध्यान रहे कि यह केमिकल फ्री होना चाहिए।
- वहीं अक्सर लोग फ्लॉसिंग बहुत तेज कर लेते हैं इसकी वजह से मसूड़ों से खून आने लगता है जो कि कई तरह की समस्या पैदा कर सकता है इसलिए जब भी फ्लॉसिंग करें हल्के हाथों से फ्लॉसिंग करें।

'रागिनी 3' में तमन्ना भाटिया संग मिलकर डराएंगे जुनैद खान

फिल्म 'रागिनी 3' को शशांक घोष डायरेक्टेड करेंगे। फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर मेकर्स ने जानकारी साझा की है। इसमें तमन्ना भाटिया के अपोजिट कौन हीरो है? फिल्म में उनकी जोड़ी किसके साथ बन रही है?

आमिर खान के बेटे जुनैद संग बनेगी तमन्ना की जोड़ी

'रागिनी 3' में जुनैद खान तमन्ना भाटिया के साथ नजर आएंगे। आमिर खान के बेटे जुनैद ने इससे पहले 'लवयापा' जैसी रोमांटिक फिल्म की थी। अब वह हॉरर फिल्म का हिस्सा बन रहे हैं। इसमें तमन्ना और वह दमदार किरदारों में नजर आएंगे। 'रागिनी' सीरीज की फिल्मों में रोमांस, धोखा और हॉरर का डोज दर्शकों को दिया जाता है, ऐसा ही कुछ तीसरी कड़ी में भी देखने को मिलेगा।

फिल्म 'रागिनी 3' में शामिल उम्दा टीम

तमन्ना भाटिया और जुनैद की इस फिल्म में एक उम्दा टीम शामिल है। साहिर रजा इस प्रोजेक्ट का क्रिएटिव एंगल देखेंगे। शशांक घोष फिल्म के निर्देशक हैं। वह पहले भी बालाजी मोशन पिक्चर्स के साथ 'वीरे दी वेडिंग' और 'फ्रेडी' जैसी सफल फिल्में कर चुके हैं।

कई फिल्म प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं तमन्ना भाटिया?

फिल्म 'रागिनी 3' के अलावा तमन्ना भाटिया 'वी शांताराम' की बायोपिक कर रही हैं। वहीं एक हॉरर फिल्म 'वन' भी कर रही हैं। इसके अलावा 'रेंजर' नाम की फिल्म भी उनके पास हैं।

पीआर के साथ काम करने पर शोभिता धुलिपाला ने की बातचीत

एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने हाल ही में पीआर के साथ काम करने को लेकर बातचीत की। इसमें उन्होंने अपने पब्लिक अपीरियंस को लेकर भी कहा कि वो क्यों ज्यादा सुर्खियों में नहीं रहती। इंटरव्यू में शोभिता धुलिपाला ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल पसंद को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि भले ही उन्होंने कभी-कभी पीआर टीम के साथ काम किया है, लेकिन वह खुद को उस सिस्टम से ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस नहीं करतीं। शोभिता ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में मैंने थोड़े-बहुत समय के लिए पीआर फर्म के साथ काम किया है। लेकिन मेरी पर्सनैलिटी और जिस तरह की जिंदगी मैं जीना चाहती हूं, उसके हिसाब से मैंने तय किया है कि मुझे इस तरह की 'एम्प्लीफिकेशन' की जरूरत नहीं है। मैं 24×7 दिखाई नहीं देना चाहती और न ही चाहती हूं कि हर समय मेरे बारे में बातें हों। यह मेरी रुचि नहीं है और मुझे यह अपने लिए जरूरी नहीं लगता।'

पीआर के साथ करने पर बोलीं शोभिता

उन्होंने आगे साफ किया कि वह फिलहाल पीआर के साथ काम नहीं कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि यह हर किसी की अपनी पसंद होती है। उन्होंने कहा, 'मैं पीआर के साथ काम नहीं करती, लेकिन शायद यह किसी और के लिए सही हो। इस मामले में कोई नियम तय नहीं है। हर किसी की अपनी पसंद होती है, और मुझे अपनी पसंद को लेकर पूरी स्पष्टता है।' शोभिता का यह बयान दिखाता है कि वह लाइमलाइट से ज्यादा अपने काम और निजी जीवन को अहमियत देती हैं। शोभिता आखिरी बार लव सितारा में नजर आई थीं, जो फिलहाल जीफाइव पर स्ट्रीम हो रही है। इससे पहले वो 'चीकाटिलो' फिल्म में नजर आई थीं, जो कि एक सस्पेंस-थ्रिलर है।

पलाश मुछाल की फिल्म में नजर आएंगी डेजी शाह

बीते दिन पलाश मुछाल के लिए काफी मुसीबतों भरे गुजरे। पहले महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना से शादी टूटी फिर उन पर पैसों को लेकर धोखाधड़ी के आरोप लगे। मगर अब पलाश अपने विवादों को पीछे छोड़ अपनी प्रोफेशनल लाइफ पर ध्यान दे रहें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पलाश जल्द ही अपना अपकमिंग प्रोजेक्ट रिलीज कर सकते हैं। अपने पोस्ट में तरण ने बताया कि पलाश एक मुंबई बेस्ड थ्रिलर सीरीज लाने वाले हैं। जिसमें एक्ट्रेस डेजी शाह और एक्टर श्रेयस तलपडे नजर आएंगे। हालांकि अब तक फिल्म का नाम सामने नहीं आया। मेकर्स ने भी अब तक फिल्म की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी मगर पलाश ने पोस्ट शेयर कर के इन रिपोर्ट्स पर मुहर लगादी है। पोस्ट के मुताबिक फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

क्या होगी फिल्म की कहानी

फिल्म में लीड कैरेक्टर्स के नाम डेजी शाह और श्रेयस तलपड़े सामने आए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रेयस एक आम आदमी के किरदार में नजर आएंगें। अब तक फिल्म की सिर्फ इतनी ही जानकारी शेयर की गई है। फिल्म की बाकी कास्ट, स्टोरी लाइन, रिलीज डेट कुछ भी मेकर्स ने रिवील नहीं किया।

'तू या मैं' ने बदली शनाया की सोच

फिल्मी दुनिया में किसी भी कलाकार के लिए खुद को साबित करना और आलोचनाओं से जूझना आसान नहीं होता। ऐसा ही अनुभव अभिनेत्री शनाया कपूर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा किया। इस पोस्ट में उन्होंने नई फिल्म 'तू या मैं' और अपने किरदार 'अवनी' को लेकर दिल की बातें रखीं। इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए शनाया कपूर ने कहा, ''तू या मैं' मेरे जीवन में उस वक्त आई, जब मैं खुद को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थी। मेरे अंदर आत्मविश्वास की कमी थी और मैं खुद से सवाल करती रहती थी। ऐसे समय में इस फिल्म और इस किरदार का मिलना मेरे लिए किसी सहारे से कम नहीं था। इस फिल्म ने मुझे सिर्फ एक भूमिका नहीं दी, बल्कि खुद पर भरोसा करना भी सिखाया।'' अपने किरदार के बारे में शनाया ने कहा, ''अवनी ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। फिल्म में अवनी एक ऐसी लड़की है, जो मुश्किल हालात में भी हार नहीं मानती और जानलेवा परिस्थितियों का सामना करती है। अवनी मगरमच्छों से लड़ती है। अवनी के इसी अंदाज ने मुझे डर से लड़ना सिखाया। इस किरदार ने मुझे निडर और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। मैं अभी भी अवनी के मजबूत व्यक्तित्व तक पहुंचने की कोशिश कर रही हूं। यह सफर मेरे लिए बेहद खास है।'' अपनी पोस्ट में शनाया ने दर्शकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा, ''करियर की शुरुआत में ही दर्शकों से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। लोगों की तारीफ, प्रतिक्रियाएं और समीक्षाएं मुझे भावुक कर देती हैं। मैं दर्शकों का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मुझे अवनी के रूप में अपनाया। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।'' दर्शकों के अलावा, शनाया ने फिल्म के निर्देशक का भी धन्यवाद दिया।

क्या रणवीर सिंह की जगह अब ऋतिक रोशन निभाएंगे 'डॉन 3' में लीड रोल?

एक्टर ने किया खुलासा

हाल ही में रणवीर सिंह ने 'डॉन 3' मूवी से किनारा कर लिया था। इसके बाद से ही फरहान अख्तर की डॉन 3 फिल्म चर्चाओं में है और ये सवाल पूछे जा रहे हैं कि रणवीर के बाद अब कौन इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएगा। अब ऋतिक रोशन ने भी फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

फिल्म का हिस्सा होने पर क्या बोले ऋतिक

एक्टर ऋतिक रोशन ने शुक्रवार के दिन खुलासा किया कि उन्हें कभी 'डॉन 3' के लिए अप्रोच नहीं किया गया था। उनका ये बयान तब सामने आया जब ये खबरें सामने आ रही थी कि फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने रणवीर सिंह के जाने के बाद उनकी जगह ऋतिक रोशन को रोल देने के लिए अप्रोच किया है। बातचीत में ऋतिक ने कहा, 'जो अफवाहें फैल रही थी, अब उनपर विराम लगाने का समय आ गया है। मैं साफ तौर पर ये बात कह रहा हूं कि मुझे कभी 'डॉन 3' फिल्म के लिए अप्रोच नहीं किया गया था। मैं मीडिया से अनुरोध करता कि वे इस तरह की किसी भी अपुष्ट रिपोर्ट से दूर रहें।' हालांकि अबतक फरहान अख्तर और रणवीर सिंह ने इन अटकलों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन अफवाहें थीं कि दोनों के बीच किसी मतभेद का असर 'डॉन 3' पर पड़ा है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि ऋतिक रोशन ने इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी दिखाई है। बता दें, फरहान अख्तर ने साल 2023 में डॉन 3 की घोषणा की थी। जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी को लीड रोल में बताया गया था। हालांकि, फिलहाल खबरें हैं कि कोई भी कलाकार आधिकारिक तौर पर इस फिल्म से जुड़ा नहीं है।

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान

वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है। हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्स: ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होने वाला है।

स्टार को बीमा पॉलिसी समझते हैं मेकर्स, मेरे नाम पर कोई 100 करोड़ की फिल्म नहीं बनाएगा

टीवी की जस्सी के नाम से मशहूर अभिनेत्री मोना सिंह अब इंडस्ट्री की सबसे बिजी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वो फिल्मों के साथ-साथ वेब सीरीज में भी लगातार काम कर रही हैं। हाल ही में मोना सिंह नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं। लगातार फिल्मों और सीरीज में अहम भूमिकाएं निभाने के बावजूद मोना सिंह का कहना है कि प्रोड्यूसर्स उनके नाम पर 100 करोड़ रुपए के बजट की फिल्म बनाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते।

मुझे पता है मैं क्या नहीं चाहती

बातचीत के दौरान मोना सिंह ने अपने करियर के उस मुकाम पर होने की बात की, जहां वह आसानी से प्रोजेक्ट्स को ठुकरा नहीं सकतीं। अभिनेत्री ने कहा कि यह मेरे द्वारा लिए गए फैसलों की वजह से ही है कि मैं यहां हूं। मैंने प्रासंगिक बने रहने और अपने सिद्धांतों पर कायम रहने की कोशिश की है। इसलिए मैंने कई प्रोजेक्ट्स को मना किया है। हालांकि, मना करना कभी आसान नहीं होता। मुझे लगता है कि जीवन में मुझे पता है कि मैं क्या नहीं चाहती। यह स्पष्टता अब मेरे भीतर है।

पोस्टर पर स्टार लाता है बॉक्स ऑफिस पर पैसा

अभिनेत्री ने आगे कहा कि निर्माता सितारों को एक बीमा पॉलिसी की तरह देखते हैं, ताकि उन्हें अपना पैसा वापस मिल सके। पोस्टर पर एक स्टार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की गारंटी देता है। फिल्म निर्माण आखिरकार एक व्यवसाय है। आप जानते हैं कि आप निवेश कर रहे हैं और आपको उससे कहीं अधिक पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर किरदार सिर्फ सर्विस प्रोवाइडर बनकर रह जाते हैं। यही सच्चाई है। अगर आप मेरी मुख्य भूमिका वाली 100 करोड़ रुपये की फिल्म की बात कर रहे हैं, तो मुझे ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है।

'कोहरा 2' में नजर आई हैं मोना सिंह

वर्कफ्रंट की बात करें तो मोना सिंह हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं। सुदीप शर्मा, गुंजित चोपड़ा और दिग्गी सिसोदिया द्वारा निर्मित और रणदीप झा द्वारा निर्देशित इस क्राइम थ्रिलर में मोना सिंह मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ वरुण सोबती, रणविजय सिंह, अनुराग अरोरा और पूजा भामर्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। सीरीज को क्रिटिक्स और दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

शिक्षा, अनुसंधान व नवाचार का सशक्त केंद्र बनकर उभर रहा आईआईटी भिलाई- राजीव प्रकाश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आईआईटी भिलाई ने शुक्रवार को अपने राष्ट्र समर्पण की दूसरी वषर्गांठ समारोह उत्साह से मनाया। दो वर्ष पहले 20 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संस्थान के अत्याधुनिक परिसर को राष्ट्र को समर्पित किया गया था। आज वही परिसर शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का सशक्त केंद्र बनकर उभर रहा है। संस्थान परिसर के नालंदा हॉल में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई।

निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने स्वागत भाषण में संस्थान की उपलब्धियों और विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि आईआईटी भिलाई कम समय में देश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में अपनी

पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से दुर्ग में आईटी पार्क की स्थापना का कार्य प्रारंभ हो चुका है, जिससे प्रदेश को तकनीकी हब के रूप में विकसित करने की

दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है। साथ ही, परिसर के फेज-बी निर्माण कार्य भी शीघ्र शुरू होगा।

मुख्य अतिथि के रूप में सोनल अग्निहोत्री राज्य प्रतिनिधि, गृह मंत्रालय उपस्थित रहे। उन्होंने संस्थान की उपलब्धियों की सराहना करते हुए युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। समारोह में वर्ष के उत्कृष्ट कमर्चारियों को सम्मानित किया गया। सभी सदस्यों को कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में रंग जमाया। उपकुलसचिव सचिन मिश्रा ने आभार प्रदर्शन किया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गौरतलब है कि आईआईटी भिलाई का परिसर पूरी तरह सतत और पर्यावरण अनुकूल मॉडल पर विकसित किया गया है। हाल ही में संस्थान को ग्रीन रेटिंग फॉर इंटीग्रेटेड हैबिटेट असेसमेंट के तहत 5-स्टार जीआरआईएचए एलडी रेटिंग से सम्मानित किया गया। यह दूसरी बार है जब संस्थान को इस श्रेणी में सर्वोच्च मान्यता मिली है, जो उसकी हरित और भविष्य उन्मुख सोच को दर्शाता है।

खास खबर

भाजपा के संरक्षण में अवैध खनन, नदियों की प्रवाह बदल रही है–सुरेंद्र वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महानदी और अरपा जैसी नदियों में अवैध खनन, माइनिंग वेस्ट डंपिंग और खनन माफियाओ की मनमानी से उत्पन्न गंभीर संकट को लेकर उच्च न्यायालय की कड़ी फटकार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा सरकार के संरक्षण में संसाधनों की लूट मची है, खनिजों के असंतुलित दोहन से पर्यावरण खतरे में है, नदीयों की धारा बदल रही है, उच्च न्यायालय में जो तथ्य उजागर हुए हैं वे भयावह हैं, महानदी में 400 एकड़ से अधिक भूमि बंजर हो गई है, केवल महानदी ही नहीं, अरपा, पैरी, इंद्रावती, सबरी, रिंहद, कन्हार सहित सभी नदियां संकट में है, सरकार और खनिज विभाग सोई हुई है, जिस पर नाराजगी जताते हुए मुख्य न्यायाधीश ने खनिजों के अवैध उत्खनन पर तुरंत रोक लगाने और सचिव से व्यक्तिगत शपथ पत्र मांगा है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि माइनिंग वेस्ट से उपजाऊ कृषि भूमि बंजर हो रहे हैं, बैलाडीला के बचेली, किरंदुल खनन क्षेत्र में आयरनओर के अपशिष्ट से हजारों एकड़ जमीन बंजर हो गई है, सबरी नदी का पानी पूरी तरह से दूषित हो गया है, महानदी और अपरा तो सबसे ज्यादा प्रभावित है अवैध खनन की काली कमाई में हिस्सेदारी के चलते सरकार और भाजपा नेताओं के इशारे पर यह सब कुछ निबोध हो रहा है, प्रशासन जान बूझकर आंखे मूंदे बैठी है। उन्होंने कहा है कि सरकार कि अक्षमता के चलते ही नदियों के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो गया है, इसी लिए उच्च न्यायालय को कड़े निर्देश जारी करना पड़ रहा है, हाईकोर्ट ने फटकार लगाते हुए नदी में कचरा फेंकने वालों के खिलाफ की गई कारर्वाई पर हलफनामा मांगा है तथा अवैध खनन को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने और शामिल लोगों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने के निर्देश दिए हैं। खनन माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि बिलासपुर के चकरभाठा में सेना की जमीन से अवैध मुरुम खनन हो रहा है, सैन्य भूमि पर अवैध मुरूम खनन को लेकर भी कोर्ट ने फटकार लगाया है लेकिन इस सरकार की आंखे नहीं खुल रही।

जिला अनुसूचित जाति मोर्चा की हुई घोषणा

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा जिला राजनांदगांव की जिला कायर्कारिणी की घोषणा कर दी गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, संगठन मंत्री पवन कुमार साय,अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सनम जांगड़े एवं जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत की अनुशंसा से अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय राय ने शनिवार को अपनी टीम घोषित की। इसमे दीपेश शेण्डे एवं योगेश बंजारे को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का जिला महामंत्री नियुक्त किया गया हैं । वहीं ललित रामटेके को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह मयंक डोंगरे, देश फिरंता कौशिक, अनिता इंदुकर, संकेत रामटेके, योगराज जगने, रतन कोसरे, कमलेश बंधे एवं पुष्पा बंजारे को उपाध्यक्ष बनाया गया है। अनुसूचित जाति मोर्चा में पांच मंत्री सहित 26 पदाधिकारी सहित 9 कायर्कारिणी सदस्य, 6 विशेष आमंत्रित सदस्य और 24 स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाएं गए हैं।

भगवान श्रीराम के चंद्रखुरी में स्थापित होगी विराट प्रतिमा

रायपुर। भगवान श्रीराम के ननिहाल के रूप में प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर स्थित माता कौशल्या धाम, चंद्रखुरी में शीघ्र ही 51 फीट ऊँची वनवासी स्वरूप की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। यह विशाल प्रतिमा मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक शहर ग्वालियर से विधिवत रूप से रवाना हो चुकी है। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात मूतिर्कार दीपक विश्वकर्मा द्वारा इस प्रतिमा का निर्माण किया गया है। ग्वालियर स्थित सेंड स्टोन आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर में महीनों की कठिन साधना और उत्कृष्ट शिल्प कौशल से तैयार यह प्रतिमा भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और कला का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती है।

सरकारी जमीन की लूट? धान केंद्र खोदकर भरी गई कॉलोनी, अफसर-ठेकेदार की मिलीभगत के आरोप

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

ग्राम सेलूद का सरकारी धान संग्रहण केंद्र इन दिनों गंभीर आरोपों के घेरे में है। ग्रामीणों का दावा है कि यहां सैकड़ों ट्रक मुरम अवैध रूप से निकालकर पास में बन रही हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनी में डंप कर दी गई। सवाल उठ रहा है कि क्या यह सिर्फ ठेकेदार की मनमानी थी या फिर अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी जमीन को ही 'खदान' बना दिया गया?

ग्रामीणों के मुताबिक, जिस जगह पर किसानों का धान सुरक्षित रखा जाना था, वहां अब तालाब जैसी गहरी खुदाई हो चुकी है। आरोप है कि कॉलोनी निर्माण के लिए भारी मात्रा में मुरम की जरूरत थी। बाजार से खरीदने पर लाखों रुपये खर्च होते, ऐसे में पेटी ठेकेदार ने सरकारी जमीन पर ही मशीनें चलवा दीं। न खनिज विभाग से अनुमति, न ग्राम पंचायत से एनओसी–फिर भी सैकड़ों ट्रक मुरम कैसे निकल गई?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी मात्रा में खनन होता रहा और जिम्मेदार विभागों को भनक तक नहीं लगी। क्या निगरानी तंत्र सो रहा था, या फिर आंखें मूंद ली गई थीं? पंचायत प्रतिनिधियों का आरोप है कि बिना प्रशासनिक संरक्षण के इतने बड़े स्तर पर खुदाई संभव नहीं।

विरोध बढ़ने पर तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार किया और प्रकरण दर्ज करने की बात कही गई है। बताया जा रहा है कि खनन करने वाला ठेकेदार फिलहाल फरार है। वहीं हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों ने पेटी ठेकेदार को गड्ढा पाटने के निर्देश दिए हैं।

ग्राम पंचायत ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र भराई नहीं की गई तो कलेक्टर से सामूहिक शिकायत की जाएगी। अब देखना यह है कि यह मामला केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहता है या फिर कथित भ्रष्टाचार की परतें खुलकर जिम्मेदारों पर ठोस कार्रवाई होती है।

उप मुख्यमंत्री व विधायक चंद्राकर ने शिवाजी के मूर्ति का किया अनावरण

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कवर्धा स्थित वीर शिवाजी चौक में छत्रपति शिवाजी महाराज जी की जयंती के अवसर पर नवनिर्मित छत्रपति शिवाजी महाराज चौक एवं उनकी प्रतिमा के लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा , दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर, कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी , जिला भाजपा अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी , नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी जी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के ने अपने उद्बोधन में कहा, "छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन और उनके आदर्श हमें हमेशा प्रेरित करते रहेंगे। उनकी वीरता, साहस और राष्ट्रभक्ति की भावना हमें अपने देश के लिए कुछ करने की प्रेरणा देती है। यह प्रतिमा न केवल एक स्मारक है, बल्कि यह हमारे लिए एक प्रेरणा स्रोत है जो हमें अपने देश के लिए कुछ करने की प्रेरणा देती है।"

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा, "छत्रपति शिवाजी महाराज जी की यह प्रतिमा हमारे शहर के लिए एक गौरव का विषय है। यह प्रतिमा न केवल एक स्मारक है, बल्कि यह हमारे शहर की पहचान भी है। मैं इस अवसर पर सभी से आग्रह करता हूं कि वे इस प्रतिमा को संरक्षित करने में अपना योगदान दें और इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत बनाएं।"

होली के लिए बाजार होने लगा गुलजार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

इस बार होली मार्च के प्रथम सप्ताह को पड़ रही है। होलिका दहन तीन मार्च को होगा और रंगोत्सव 4 मार्च को प्रदेशवासियों द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा। होली को लेकर रविवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के चिल्हर दुकानदार रंग गुलाल अबीर, पिचकारी गोल बाजार बंजारी रोड से लेते दिखाई दिया। मालवीय रोड बंजारी रोड, गोल बाजार सहित क्षेत्रिय बाजार जैसे पुरानी बस्ती, टिकरापारा, रामसागर पारा, गुढ़ियारी, रामनगर, टाटीबंध, दलदल सिवनी मोवा सड्डू सहित आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग होली की तैयारी के लिए खरीददारी करते दिखे। पिचकारी में इस बार लेटेस्ट मॉडल आए है। छोटे बच्चों के लिए रंग बिरंगी आकर्षक पिचकारियां बिकने के लिए आई है। इसी तरह दुकानदार भी होली की तैयारी के लिए अपनी अपनी दुकानें सजाना शुरू कर दिये है। फाल्गुन का महिना चल रहा है इसलिए कहीं कहीं पर रविवार को देर रात नगाड़ा बजने की आवाज भी वातावरण में गुंज रही है।

प्रधानमंत्री मोदी का पुतला जलाकर कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन के सामने सड़क में बैठ कर प्रदर्शन किया। इस दौरान राजीव भवन घेरने आ रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को खदेड़ा गया और नरेन्द्र मोदी का पुतला जलाकर विरोध जताया।

प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला, दीपक मिश्रा, महेन्द्र छाबड़ा, सुबोध हरितवाल, कन्हैया अग्रवाल, युकां अध्यक्ष आकाश शर्मा, रायपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, रायपुर ग्रामीण अध्यक्ष राजेन्द्र पप्पू बंजारे, शांतनु झा, प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर, सुरेन्द्र वर्मा, अशोक राज आहूजा, शिव सिंह ठाकुर, डॉ. अजय साहू, सत्यप्रकाश सिंह, सौरभ साहू, परवेज अहमद, ऋषभ चंद्राकर, विनोद तिवारी, सुनील कुकरेजा, दिलीप चौहान, राजेश चौबे, नरेन्द्र ठाकुर, सद्दाम सोलंकी, अशोक चतुर्वेदी, अजय अग्रवाल, कमलेश मिश्रा, पल्लवी सिंह, करूणा कुर्रे, दिनेश तिवारी, शब्बीर खान, योगेश तिवारी, अभिषेक कसार, दिनेश निर्मलकर, अमितेश भारद्वाज, गीता सिंह, बंशी कन्नौजे, लक्ष्मी देवांगन, प्रगति बाजपेयी, प्रमीला बंजारे, प्रीति सोनी, मनोज सोनकर, कविता वर्मा, सुरेश वर्मा, जयप्रकाश साहू, प्रेमलता बंजारे, अंशुल मिश्रा, कामरान अंसारी, कांकेर शीतल कुलदीप, माधव छुरा एवं पदाधिकारी गण मौजूद थे।

वार्षिक निरीक्षण में सूरजपुर एसएसपी प्रशांत ठाकुर ने पुलिस बल का बढ़ाया मनोबल

पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं बल्कि जनसेवा का दायित्व है

नई दृष्टिबिंदु / सूरजपुर

डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस लाईन का वार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम पुलिस लाईन में आयोजित परेड़ का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारी व जवानों के वेश-भूषा का जायजा लिया। राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों से परेड़ के कमाण्ड दिलवाए। निरीक्षण के दौरान जवानों के वेशभूषा को देखा। अच्छे वेशभूषा और बेहतर परेड़ कमाण्ड करने वाले जवानों को पुरस्कृत किया वहीं लापरवाही पर सजा दी। शासकीय पुलिस वाहनों का जायजा लिया और चालकों को वाहनों में अनिवार्य रूप से हेलमेट, जाली व केन रखने के निर्देश ताकि आपात स्थिति में उसका उपयोग किया जा सके। परेड़ के दौरान आकर्षक बैंड बजाने पर संभागीय बैंड पार्टी को पुरस्कृत किया। आर्म्स शाखा का निरीक्षण कर आर्म्स-एम्युनेशन के रख-रखाव एवं सुरक्षा के प्रति सजग एवं सतर्क रहने हेतु निर्देशित किया गया। इसके पश्चात स्टोर, शस्त्रागार सहित अन्य शाखाओं का भी निरीक्षण किया।

डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस लाईन में दरबार लगाकर अधिकारियों-कर्मचारियों से चर्चा कर उनके समस्याओं को जाना और उन समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि बेसिक पुलिसिंग के साथ ही तकनीकी रूप से सक्षम होकर कार्य करें। हर कदम पर सजग, हर परिस्थिति में सक्षम और जनसेवा के लिए सदैव समर्पित रहकर कार्य करें। पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं बल्कि जनसेवा का दायित्व है जिसे ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ निभाए। बेहतर कानून व्यवस्था, प्रभावी पुलिसिंग और आम जनता में विश्वास बनाए रखने के लिए तत्परता एवं निष्पक्षता से कार्य करें। जवानों के आत्मविश्वास, अनुशासन और सजगता की सराहना कर कहा कि एक सक्षम पुलिस बल के लिए शारीरिक रूप से फिट होना अनिवार्य है।

पुलिस बल के लिए अनुशासन केवल एक नियम नहीं, बल्कि हमारी कार्यशैली का आधार है। इस दौरान एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, सीएसपी बेनार्ड कुजूर, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर, डीएसपी अनूप एक्का, रीता नीलम कुजूर, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, जिले के थाना-चौकी प्रभारी सहित विभिन्न थाना-चौकी व रक्षित केन्द्र के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

आज होगा श्रीराम चौक में ध्वजवाहकों का सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

श्रीराम जन्मोत्सव समिति, भिलाई द्वारा लगातार 41वें वर्ष श्रीरामनवमी महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस पावन आयोजन से पूर्व समिति द्वारा 22 फरवरी, रविवार को ध्वजवाहकों का सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम श्रीराम चौक, खुर्सीपार में संपन्न होगा, जहाँ विभिन्न प्रखंडों के मंदिरों एवं पूजा स्थलों से ध्वज लेकर चलने वाले ध्वजवाहकों को समिति द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समिति के संरक्षक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय उपस्थित रहेंगे। साथ ही समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में रामभक्तों की उपस्थिति इस आयोजन की गरिमा को और बढ़ाएगी।

समिति के युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने बताया कि श्रीराम जन्मोत्सव समिति सदैव प्रभु श्रीराम के आदर्शों को समाज तक पहुँचाने और जनहित में सक्रिय भूमिका

निभाने के लिए समर्पित रही है। हर वर्ष भव्य शोभायात्रा में हजारों की संख्या में रामभक्त ध्वजवाहक भगवा ध्वज लहराकर आयोजन को दिव्य स्वरूप प्रदान करते हैं। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी समिति द्वारा सभी ध्वजवाहकों का सम्मान किया जाएगा, जो अपनी श्रद्धा और भक्ति से इस पावन आयोजन को गौरवशाली बनाते हैं। 41वें वर्ष श्रीरामनवमी महोत्सव की भव्य तैयारी शुरू हो चुकी है। सेवकों को बैठक लेकर प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने जरुरी मार्गदर्शन दे चुके हैं। घर-घर अन्न संग्रह के लिए भी शीघ्र अभियान शुरु होगा।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।